वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

नई दिल्ली

भाकृअनुप
ICAR

ISSN 2454-6666

वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17

अप्रैल 1, 2016 से मार्च 31, 2017

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधाान भवन 1, पूसा,
नई दिल्ली 110 012

मुद्रण : जून, 2017

मुख्य संरक्षक : डा. गुरबचन सिंह
अधयक्ष

संरक्षक : डा. वी.एन. शारदा
सदस्य

प्रो. (डा.) ए.के. श्रीवास्तव
सदस्य

संपादक : डा. जे. रवि
सचिव

डा. सुरेश पाल
मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री पी.आर. राव
उपनिदेशक (राजभाषा)

प्रोडक्शन : डा. वी.के. भारती
श्री पुनीत भसीन

सहायता : श्री चितेश कौशिक
श्री खूबराम

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110012, दूरभाष संख्या 011–25848172, 25840251 द्वारा प्रकाशित मैसर्स प्रिन्ट–ओ–वर्ल्ड, 2568, मंदिर लेन, शादीपुर, नई दिल्ली–110008 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, नई दिल्ली 110028 के द्वारा मुद्रित।

प्रस्तावना

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17 को प्रस्तुत करना मेरे लिए हर्ष का विषय है। रिपोर्ट के विभिन्न भागों में गतवर्ष के दौरान मंडल की मुख्य गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विस्तृत विवरण दिया गया है।

इस अवधि के दौरान अनुसंधान प्रबंधन पद, राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक, परियोजना समन्वयक तथा प्रधान वैज्ञानिक के 55 पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है जिनके लिए 924 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से केवल 2 पदों पर योग्यता एवं अनुभव प्राप्त उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण भर्ती नहीं हो सकी।

कृषि अनुसंधान सेवा 2015 के 79 पदों के परिणाम घोषित किए गए। वर्ष के दौरान मंडल ने एक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा 2016 (I) का आयोजन किया तथा 3803 सफल उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र जारी किए गए।

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा 2017 (I) तथा एआरएस 2016 (प्रारंभिक) की संयुक्त परीक्षा 16-21 मई, 2017 के दौरान आनलाइन पद्धति से निर्धारित है। एआरएस (मुख्य परीक्षा) 2016 का आयोजन 08 जुलाई, 2017 को निर्धारित है।

इस वर्ष के दौरान कृषि अनुसंधान सेवा के वैज्ञानिकों के लिए संशोधित कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम की समयबद्ध कार्यान्वयन के तहत 51 विषय क्षेत्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को प्रधान वैज्ञानिक पद पर पदोन्नति हेतु 177 प्रस्तावों पर कार्य किया गया।

इस वर्ष के दौरान भा.कृ.अनु.प. के विभिन्न संस्थानों में तकनीकी सहायक (टी-3) और तक्नीशियन (टी-1) पदों पर भर्ती हेतु सामान्य लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प. जैसी अनुसंधान प्रणाली के संदर्भ में उन्नत श्रम शक्ति की आवश्यकताओं के प्रति मंडल सदैव जागृत रहता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए तथा चयन के मानदंडों में और अधिक सुधार करने हेतु 03 नवम्बर के अपरान्ह तथा 04 नवम्बर 2016 को ''भा.कृ.अनु.प. में वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक कैडरो के लिए प्रतिभा की खोज तथा इन्हें बनाए रखना'' विषय पर एक विचार मंथन सत्र का आयोजन किया गया है।

मैं माननीय श्री राधा मोहन सिंह जी अध्यक्ष भा.कृ.अनु.प. एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री एस.एस. अहलुवालिया जी, श्री परषोत्तम रूपाला जी तथा श्री सुदर्शन भगत जी के प्रति उनकी दुरदर्शिता, निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन हेतु आभारी हूं। डा. त्रिलोचन महापात्र, सचिव डेयर, एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प.; श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. तथा श्री एस.के. सिंह, अपर सचिव एवं वित सलाहकार, भा.कृ.अनु.प./डेयर के प्रति आभार तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के प्रयासों में सहयोग एवं सराहना हेतु आभारी हूँ।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में मेरे सहयोगियों डा. वी. एन. शारदा तथा प्रोफेसर (डा.) ए. के. श्रीवास्तव (सदस्यगण); जे. रवि, सचिव तथा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट करता हूं।

इस रिपोर्ट को समय पर प्रकाशित करने में डा. रामेश्वर सिंह, निदेशक, कृषि ज्ञान प्रबंध निदेशालय, भा.कृ.अनु.प.; डा. वी.के. भारती, मुख्य उत्पादन अधिकारी तथा श्री पुनीत भसीन, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी को धन्यवाद देता हूँ।

गुरबचन सिंह

(गुरबचन सिंह)
अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं.

विषय सूची

	प्रस्तावना	*iii*
	कार्यकारी सारांश	*vii*
1.	भूमिका	1
2.	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)	5
3.	परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति	7
4.	सीधी भर्ती	9
5.	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्ति	11
6.	वैज्ञानिकों का मूल्यांकन : कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.)	12
7.	सुधार	13
8.	सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 का अनुपालन	17
9.	हिन्दी (राजभाषा) की प्रगति	18
10.	स्थापना दिवस समारोह	23
11.	महिला सशक्तिकरण	27
12.	विविध	28
13.	पुरस्कार एवं सम्मान	29
14.	दौरे	30
15.	प्रकाशन	35

परिशिष्ट

I.	भा.कृ.अनु.प. सोसाइटी के नियमों व उपनियमों के प्रावधानों का उल्लेख	36
II.	2016-17 के दौरान कृ.वै.च.म. की प्राप्तियां एवं व्यय	38
III.	पिछले पांच वर्षों में मंडल के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण	39
IV.	(अ) नेट 2016 (I) में विषयवस्तुवार सफल उम्मीदवार	40
	(ब) एआरएस 2015 के विषयवस्तुवार सफल उम्मीदवारों का विवरण	42
V.	सीधी भर्ती 2016-17	43
VI.	पदों का विवरण जिन पर भर्ती नहीं हो सकी 2016-17	48

VII.	वर्ष 2016-17 के दौरान भा.कृ.अनु.प. के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले	49
VIII.	संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2016-17) का गठन किया गया है	51
IX.	संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट हेतु विभागीय पदोन्नति समितियों (2016-17) का गठन किया गया है	54
X.	वर्ष 2016-17 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या	56
XI.	कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृत्तियां इत्यादि)	57
XII.	अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची	59

कार्यकारी सारांश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा प्रतिभा की खोज, मूल्यांकन तथा नीति निर्माण के लिए इनपुट संबंधी अपने अधिदेश की पूर्ति के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी इस रिपोर्ट में प्रस्तुत की गई है। वर्ष 2016-17 मंडल के लिए समेकन एवं संशोधित स्कोर कार्ड के कार्यान्वयन की अवधि रही है।

इस अवधि के दौरान मंडल ने छः विज्ञापनों के माध्यम से 194 पदों को विज्ञापित किया है। विज्ञापित पदों के वर्गवार विश्लेषण से ज्ञात होता है कि 65 प्रतिशत पद प्रधान वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के, 20 प्रतिशत पद मध्यम स्तर (अध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक तथा परियोजना समन्वयक) के हैं जब कि 15 प्रतिशत पद अनुसंधान प्रबंधन (उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक, राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक, सहायक महानिदेशक तथा निदेशक) स्तर के हैं।

वर्ष के दौरान मंडल ने 55 पदों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। इनमें से 53 प्रतिशत पद अनुसंधान प्रबंधन स्तर (आरएमपी) के जब कि 47 प्रतिशत पद प्रभागाध्यक्ष, परियोजना समन्वयक तथा प्रधान वैज्ञानिकों

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण कृ.वै.च.मं. श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को कृ.वै.च.मं. की वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16 प्रस्तुत करते हुए

के हैं। मंडल ने 96 प्रतिशत से अधिक मामलों में अपनी संस्तुतियां दी है जब कि 3.6 प्रतिशत मामलों में उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध न होने के कारण भर्ती नहीं की जा सकी है जो कि ऐसा पहली बार हुआ है।

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत विभिन्न संस्थानों से वरिष्ठ वैज्ञानिक पदों से प्रधान वैज्ञानिक पदों पर पदोन्नति के लिए 51 विषयक्षेत्रों से संबंधित 177 प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने अपना 43वां स्थापना दिवस भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में आयोजित किया। प्रोफेसर रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हो कर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। इस अवसर पर मंडल के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्यगण, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. तथा भा.कृ.अनु.प. के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण के अलावा राज्य कृषि

विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों के निदेशक, पूर्व उपमहानिदेशकगण, संकाय अध्यक्ष तथा वैज्ञानिक समुदाय एवं छात्र उपस्थित रहे।

प्रो. रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का उदघाटन किया और मंडल के 43 वर्षों की गरिमामय यात्रा की प्रशंसा की जिसका श्रेय उन प्रख्यात लोगों को जाता है जिन्होंने मंडल को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु मार्गदर्शन दिए हैं। उन्होंने आग्रह किया कि कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में उभरती पहलुओं का समाधान किया जाए। उन्होंने मंडल से भी आग्रह किया कि जो भी कमियां हों उन्हें दूर करें ताकि तेजी से बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय विकास में सक्रिय योगदान दे सकें। उन्होंने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की दक्षता को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु वर्तमान नियुक्ति एवं चयन प्रक्रिया में संरचनात्मक बदलावों का सुझाव दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी व्यवस्था का विकास किया जाए जिसके तहत उन वैज्ञानिकों को प्रोत्साहन दिया जाए जो अपने राज्य एवं प्रदेश से दूर कार्य कर रहें हैं।

इस अवधि के दौरान, नेट परीक्षा 2016 (I) का आयोजन देश के 23 केन्द्रों में 56 विषयक्षेत्रों में 1-6 अगस्त के दौरान ऑनलाइन पद्धति से किया गया। कुल 28,558 आवेदकों ने परीक्षा हेतु पंजीकरण करवाए और 19,828 आवेदकों ने परीक्षा में उपस्थिति दर्ज की। इनमें से 3,803 (19 प्रतिशत आवेदक) परीक्षा में उत्तीर्ण हुए।

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा 2015 का आयोजन 12 केन्द्रों में 8 मई, 2016 को किया गया। कुल 30 विषयक्षेत्रों के 97 रिक्त पदों के लिए 2217 उम्मीदवार प्रारम्भिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। इस परीक्षा में उत्तीर्ण 363 उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कारों का आयोजन 13 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2016 के दौरान किया गया। मुख्य लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में निष्पादन के आधार पर कुल 79 उम्मीदवारों की नियुक्ति हेतु संस्तुतियां दी गई।

देश के 23 केन्द्रों में कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा 2016 (प्रारम्भिक) तथा नेट (I) - 2017 की संयुक्त परीक्षा का आयोजन 56 विषयक्षेत्रों में ऑनलाइन पद्धति से 16-21 मई, 2017 के दौरान निर्धारित है।

तकनीकी सहायक (टी-3) पदों पर भर्ती हेतु देश के 27 परीक्षा केन्द्रों में 17 जुलाई, 2016 को एक सामान्य लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। लघु सूचीबद्ध 34,439 उम्मीदवारों में से 12,153 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। उत्तर पुस्तिकाओं की जांच जारी है।

टेक्नीशियन (टी-1) पदों पर भर्ती हेतु देश के 27 परीक्षा केन्द्रों में 4 सितम्बर, 2016 को एक सामान्य लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। लघु सूचीबद्ध 80,020 उम्मीदवारों में से 43,834 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। उत्तर पुस्तिकाओं की जांच जारी है।

कार्य में पारदर्शिता किसी भी संगठन के लिए एक हालमार्क होता है। यह विशेष रूप से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल जैसे राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्र नियुक्ति निकाय के लिए लागू होता है। मंडल में चाहे आवेदनों की जांच व साक्षात्कार हो या परीक्षा की प्रक्रिया या सलाहकारों/परीक्षकों/प्रश्न पत्र तैयार करने वाले हों/ मूल्यांकनकर्ता की सूची तैयार करनी हो, पूरी आंतरिक सुरक्षा एवं निष्पक्षतापूर्ण जांच की जाती है ताकि सभी स्तरों पर पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

इस अवधि के दौरान मंडल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सूचना मांगने वालों के संदर्भ में एक विशिष्ठ एवं त्वरित रिकार्ड कायम किया। चाहे सूचना का अधिकार अधिनियम के मामलें हों या कृ.वै.च.मं. से जुड़े न्यायालयों के मामलें हों, ऐसा कोई संदर्भ नहीं है जहां मंडल के निर्णयों के विरुद्ध कोई प्रतिकूल टिप्पणी हुई हो, कुछ पाया गया हो या देखा गया हो।

इसी प्रकार मंडल ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संदर्भ में भी नए कीर्तिमान स्थपित किए हैं। सभी सम्भव उपाय किए गए हैं जिनमें साक्षात्कारों में हिन्दी में उत्तर देने का विकल्प भी सम्मिलित है। मंडल के अधिकारियों/कर्मचारियों के अलावा विशेषज्ञों/सलाहकारों/प्रश्नकर्ताओं/मूल्याकनकर्ताओं की सुविधा हेतु विभिन्न विषयक्षेत्रों से संबंधित हिन्दी पुस्तकों की खरीद की गई। इस दौरान प्रत्येक विषयक्षेत्र के प्रश्न बैंक के साथ साथ सलाहकारों/विशेषज्ञों के डाटाबेस को नियमित रूप से ऑनलाइन इनपुट एवं डिजिटाइजेशन के माध्यम से अद्यतन करने, उन्नयन एवं विस्तार करने हेतु विशेष प्रयास किए गए हैं।

1 भूमिका

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए एक स्वतंत्र भर्ती निकाय है। अपने अधिदेश के अनुसार कृ.वै.च.मं., भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् मुख्यालय तथा पूरे देश में फैले इसके अनुसंधान संस्थानों में श्रेष्ठ वैज्ञानिकों एवं अन्य प्रबंधन कार्मिकों की नियुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा मंडल परिषद को मानव संसाधन एवं उनके विकास हेतु कृषि वैज्ञानिक सेवा के वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम सहित अन्य योजनाओं को तैयार करने एवं उन्हें कार्यान्वित करने में सहायता और सुझाव देता है। 43 वर्ष पूर्व अपनी स्थापना से ही कृ.वै.च.मं. राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली की वर्तमान एवं उभरती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रतिभा खोज की योजनाओं में सुधार एवं परिष्कृत करने हेतु निरन्तर प्रयासरत है।

अधिदेश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का अधिदेश, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा पूरे देश में फैले इसके संस्थानों में विभिन्न पदों के लिए उत्कृष्ट मानव संसाधनों को उपलब्ध कराना है। मंडल की स्थापना के अवसर पर कैबिनेट निर्णय के अनुसार मंडल को निम्नलिखित दायित्व सौंपे गए हैं।

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में कृषि अनुसंधान सेवा के अंतर्गत विभिन्न पदों तथा समय समय पर अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा सूचित पदों एवं सेवाओं पर नियुक्तियां करना।
- अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अपेक्षित पदोन्नतियों सहित कार्मिक मामलों में परिषद को सहायता देना।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा नियुक्त व मंडल की सहमति से परिषद द्वारा नियुक्त अधिकारियों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों में परिषद को सुझाव देना।

अखिल भारतीय स्तर पर कृषि अनुसंधान सेवा के गठन के पश्चात मंडल को निम्नलिखित अतिरिक्त दायित्व सौंपे गए।

- अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि वैज्ञानिक सेवा के प्रवेश स्तर के वैज्ञानिक ग्रेड में नियुक्तियां करना।
- कृषि वैज्ञानिक सेवा के गठन के प्रारम्भ में भा.कृ.अनु.प. के वर्तमान वैज्ञानिकों को कृषि वैज्ञानिक सेवा में सम्मिलित करना।
- कृषि वैज्ञानिक सेवा के वैज्ञानिकों के मेरिट प्रमोशन एवं अग्रिम वेतन वृद्धियों के लिए मूल्यांकन करना।

इनके अतिरिक्त कृ.वै.च.मं. को तकनीकी सेवा कार्मिकों तथा प्रशासनिक व लेखा पदों जैसे प्रशासनिक अधिकारी/वित्त व लेखा अधिकारी, सहायक निदेशक (राजभाषा), सहायक, तकनीकी सहायक (टी-3), तकनीशियन (टी-1), अवर श्रेणी लिपिक और आशुलिपिक पदों पर नियुक्तियां करना जो कि सीधी भर्ती या खुली प्रतियोगिता परीक्षाओं के माध्यम से करनी होती हैं। चयन मंडल के कर्तव्य एवं दायित्वों का उल्लेख भा.कृ.अनु.प. सोसाइटी के नियम एवं उपनियमों में किया गया है (परिशिष्ट-I)।

चयन मंडल 56 विषय क्षेत्रों में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा का भी आयोजन वर्ष में दो बार करता है जो राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर / लेक्चरर पदों पर नियुक्ति के लिए पूर्व अपेक्षित अर्हता है।

संगठन

मंडल में एक अध्यक्ष तथा दो सदस्य होते हैं और इनकी सहायता के लिए एक सचिव पद है। मंडल के दायित्वों के कुशल अनुपालन के लिए एक परीक्षा नियंत्रक, दो उपसचिव के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक, वित्तीय एवं तकनीकी अधिकारी व कर्मचारीगण भी हैं। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का वर्तमान संगठनात्मक ढांचा इस प्रकार है।

चयन मंडल में दिनांक 31 मार्च, 2017 को अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के कुल स्वीकृत पदों की संख्या 84 है (परिशिष्ट-X)। दिनांक 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017 के दौरान चयन मंडल के कार्यरत अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों की सूची परिशिष्ट-XII में दी गई है।

वित्तीय खर्च

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने वित्तीय वर्ष 01.04 2016 से 31.03.2017 के दौरान गैर योजना और योजना खर्च के अंतर्गत 1294.55 लाख खर्च किया। खर्च का विवरण परिशिष्ट-II में दिया गया है।

गतिविधियां

अधिदेशित गतिविधियों के कार्य निष्पादन के दौरान मंडल ने विभिन्न गतिविधियों को संपन्न किया है, जिन्हें तालिका में दर्शाया गया है। पिछले पांच वर्षों में मंडल की गतिविधियों का तुलनात्मक विवरण परिशिष्ट-III में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान मंडल में भा.कृ.अनु.प. से अनुशासनात्मक मामलों, अस्थायी नियुक्तियों के संदर्भ में नियम II (5), नियम 15 (5) के अंतर्गत तथा प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के संदर्भ में नियम II (7) के अंतर्गत सुझाव हेतु कोई मामला नहीं आया है।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का आरगेनोग्राम

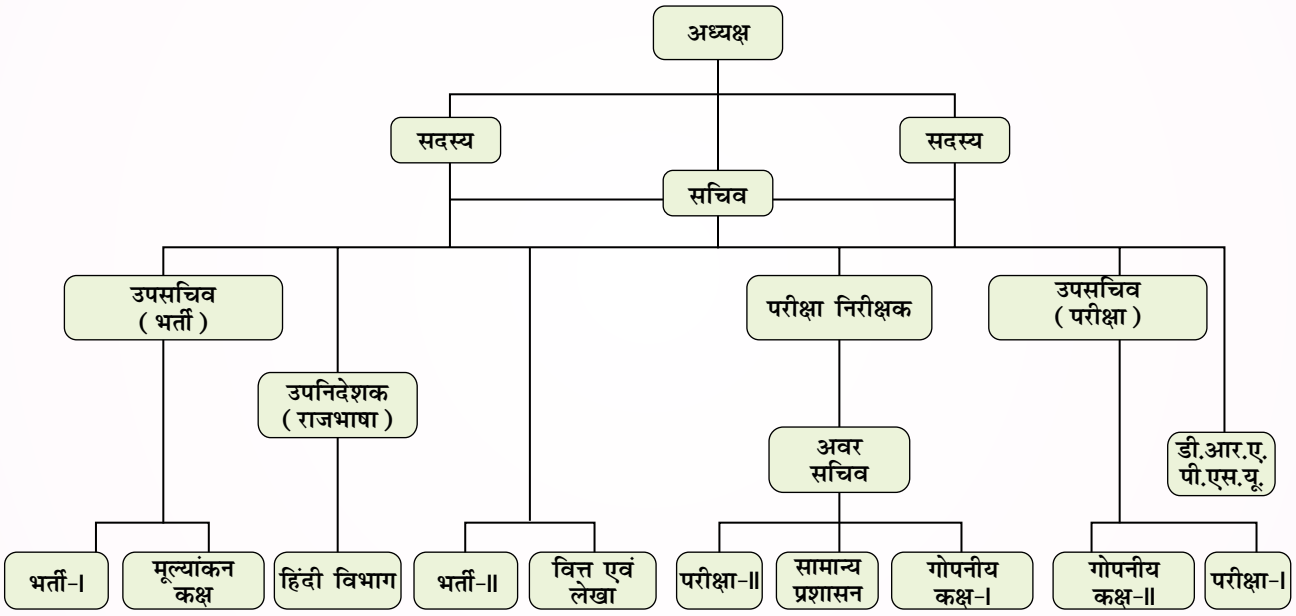

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का वर्तमान ढांचा

वर्ष 2016-17 के दौरान मंडल की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

गतिविधि		संख्या
1.	**साक्षात्कार के माध्यम से नियुक्ति (सीधी भर्ती)**	
	● पदों की संख्या जिन पर पिछले वर्ष से नियुक्ति प्रक्रिया लंबित है	38
	● चालू वर्ष में प्राप्त पदों की संख्या	245
	● भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वापस लिए गए पदों की संख्या	11
	● पदों की संख्या जिन पर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है	55
	● विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या	924
	● साक्षात्कार के लिए आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	438
	● साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	331
	● नियुक्ति के लिए सिफारिश किए गए उम्मीदवारों की संख्या	53
	● ऐसे मामलों की संख्या जहां उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं थे	2
	● ऐसे मामलों की संख्या जहां साक्षात्कार के लिए कोई उम्मीदवार उपलब्ध नहीं था	0
	● वर्ष के दौरान विज्ञापित विभिन्न पदों के लिए जांच की गई आवेदनों की संख्या	924
	● पदों की संख्या जिन पर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है	186
	● विज्ञापित पदों की संख्या	194
2.	**परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति**	
(i)	**प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों की नियुक्ति के लिए आयोजित एआरएस परीक्षा, 2015**	
	● नियुक्ति के लिए सिफारिश किए गए उम्मीदवारों की संख्या	79
(ii)	**नेट प्रमाणीकरण के लिए आयोजित नेट परीक्षा, 2016 (I)**	
	● नेट परीक्षा हेतु पंजीकृत आवेदकों की संख्या	28,558
	● नेट परीक्षा में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	19,828
	● नेट प्रमाणपत्र के लिए उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	3,803
(iii)	**तकनीकी सहायक (टी-3) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा**	
	● आवेदको की संख्या	34,439
	● उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	12,153

गतिविधि		संख्या
(iv)	**तकनीशियन (टी-1) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा**	
	● आवेदकों की संख्या	80,020
	● उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	43,834
(v)	**सहायक पदों के लिए सीमित विभागीय परीक्षा**	
	● आवेदकों की संख्या	10
	● उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	10
	● चयनित उम्मीदवारों की संख्या	06
(vi)	**उच्च श्रेणी लिपिक पदों के लिए सीमित विभागीय परीक्षा**	
	● आवेदकों की संख्या	04
	● उपस्थिति उम्मीदवारों की संख्या	04
	● उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या	0
III.	**मूल्यांकन तथा मूल्यांकनों की समीक्षा**	
	● संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड पर पदोन्नती हेतु वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन	177
IV.	**गठित समितियां**	
	● स्कोर कार्ड प्रणाली के संदर्भ में असुविधाजनक क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत भा.कृ.अनु.प. के एककों/ केन्द्रों/ स्टेशनों की समीक्षा	1

महत्वपूर्ण घटनाएं

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के बोर्ड की बैठकें

इस अवधि के दौरान नियुक्तियों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों एवं पहलुओं पर चर्चा हेतु आठ बैठकों का आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस समारोह

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली ने अपना 43वां स्थापना दिवस का आयोजन 03 नवम्बर, 2016 को भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में किया। प्रो. रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग समारोह में मुख्य अतिथि रहे एवं स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कृ.वै.च.मं. के पूर्व अध्यक्षगण एवं सदस्यगण, डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. तथा भा.कृ.अनु.प. के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के निदेशकगण, पूर्व उप महानिदेशक, संकाय अध्यक्ष, वैज्ञानिक समुदाय के सदस्य तथा छात्र उपस्थित रहे।

मंच पर मुख्य अतिथि माननीय सदस्य नीति आयोग तथा अन्य गणमान्य अतिथिगण

स्वच्छता अभियान

अध्यक्ष, कृवै.च.मं. ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया, प्रत्येक अनुभाग/ एकक का निरीक्षण किया एवं यह सुनिश्चित किया कि कृ.वै.च.मं. का संपूर्ण परिसर साफ, स्वच्छ, स्वस्थ एवं अवांछित रिकार्ड, धूल और कचरे आदि से मुक्त हो। कृ.वै.च.मं. के प्रत्येक कर्मचारी ने संपूर्ण निष्ठा से कृ.वै.च.मं. के परिसर तथा आस-पास के क्षेत्र को भी साफ एवं स्वच्छ रखने में योगदान दिया।

संविधान दिवस

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 126 जयंती के एक भाग के रूप में 25 नवंबर, 2016 को ''संविधान दिवस'' का आयोजन किया गया।

2 राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) - 2016 (I)

इस अवधि के दौरान देश के 23 परीक्षा केन्द्रों में दिनांक 01-06 अगस्त, 2016 के दौरान 56 विषय क्षेत्रों में नेट परीक्षा 2016 (I), ऑनलाइन पद्धति से आयोजित की गई। कुल 28,558 उम्मीदवारों ने परीक्षा हेतु पंजीकरण किया तथा 19,828 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। कुल 3,803 (19%) उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। नेट परीक्षा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि संकाय के साथ अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों में लेक्चरर/सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति हेतु अनिवार्य पूर्वापेक्षित योग्यता है। मुख्य विषयक्षेत्र के अनुसार परीक्षा हेतु पंजीकृत, उपस्थित तथा उत्तीर्ण उम्मीदवारों का विवरण निम्नलिखित है :

मुख्य विषयक्षेत्र के अनुसार उम्मीदवारों का विवरण

मुख्य विषयक्षेत्र	पंजीकृत उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	उत्तीर्ण उम्मीदवार	उत्तीर्णता %
फसल विज्ञान	12371	8288	1369	16.52
बागवानी	2250	1547	613	39.63
पशु विज्ञान	3174	2347	654	27.87
मात्स्यिकी विज्ञान	782	565	68	12.04
प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	4558	3218	523	16.25
सामाजिक विज्ञान	2872	2001	216	10.79
कृषि अभियांत्रिकी	2551	1862	360	19.33
कुल	**28,558**	**19,828**	**3,803**	**19.18**

उम्मीदवारों का न्यूनतम सफलता प्रतिशत अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन (0.20%) तथा अधिकतम सफलता प्रतिशत पशु पोषण (81.07%) तथा इसके बाद का स्थान सब्जी विज्ञान (59.32%), बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (56.90%), कृषि सूक्ष्मजीव विज्ञान (52.32%), पशुचिकित्सा परजीवी विज्ञान (52.17%) तथा फार्म मशीनरी एवं पावर (50.0%) का रहा है। 11 विषयक्षेत्रों में सफलता प्रतिशत 5% से भी कम रहा है।

- आंकड़ों के विशलेषण से ज्ञात हुआ है कि 3,803 उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से 325 (8.5%) उम्मीदवार मानद विश्वविद्यालयों (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर; राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल तथा केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई) से, 774 (20.35%) उम्मीदवार राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर); इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर; कृषि विश्वविद्यालय, बैंगलोर; चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार; जी. बी.

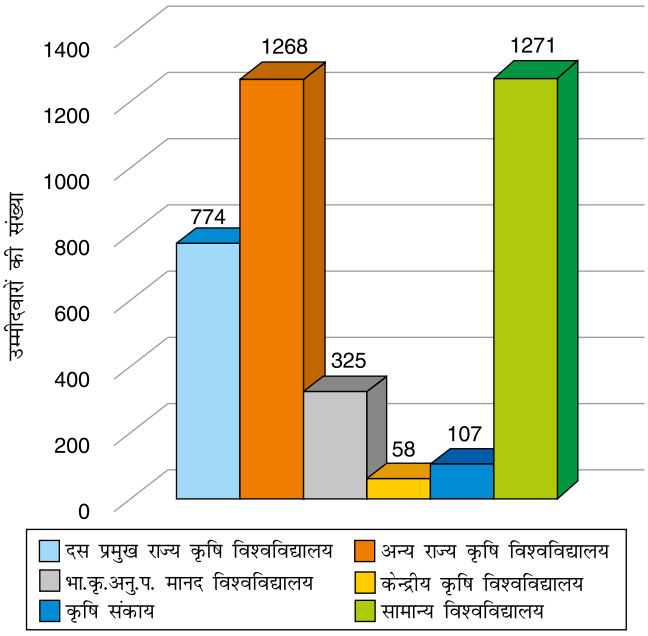

नेट परीक्षा 2016 (I) में संगठनवार निष्पादन

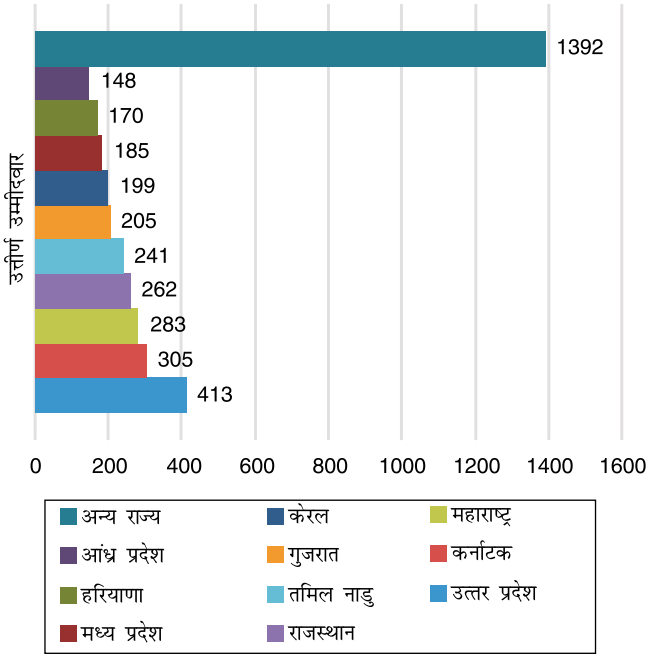

नेट परीक्षा 2016 (I) में राज्यवार निष्पादन

पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर; ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना; डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय,

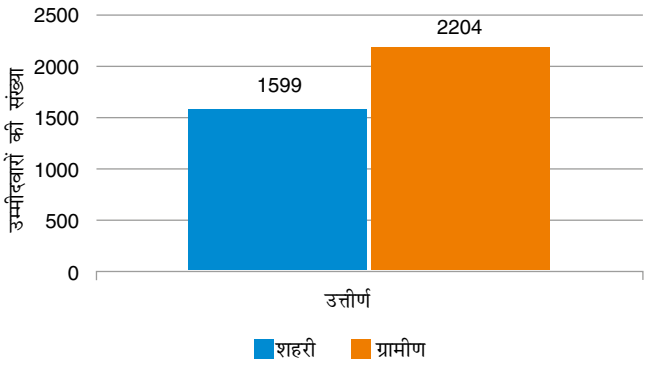

नेट परीक्षा 2016 (I) में क्षेत्रवार निष्पादन

सोलन तथा नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी; से हैं। शेष अन्य राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से 1,268 (33.34%) तथा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों से 58 (1.53%) उम्मीदवार सफल हुए हैं। कृषि संकाय वाले अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों से 1,378 (36.23%) उम्मीदवार सफल हुए हैं।

- राज्यवार आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि 63% सफल उम्मीदवार 10 राज्यों (उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, हरियाणा और आंध्र प्रदेश) से हैं। चार राज्यों, नामत: सिक्किम, चंडीगढ़, दादर एवं नागर हवेली तथा गोवा से 10 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए हैं।
- 3803 उत्तीर्ण उम्मीदवारों में से 44% महिला उम्मीदवार तथा कुल उम्मीदवारों में से 58% ग्रामीण क्षेत्रों से हैं।

3 परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति

कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) परीक्षा 2015

एआरएस परीक्षा 2015 का आयोजन 12 केन्द्रों पर 08 मई, 2015 को किया गया। प्रारंभिक परीक्षा में कुल 30 विषयक्षेत्रों के अंतर्गत 97 रिक्तियों के लिए 2217 उम्मीदवारों ने सफलता प्राप्त की। परीक्षा में सफल 263 उम्मीदवारों के लिए 13 अक्टूबर, 2016 से 29 नवंबर, 2016 के दौरान मौखिक परीक्षा का आयोजन किया गया। मुख्य लिखित परीक्षा तथा मौखिक परीक्षा में उम्मीदवारों के निष्पादन के आधार पर नियुक्ति के लिए 79 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई।

आंकड़ों के विशलेषण से ज्ञात होता है कि कृषि रसायन विषयक्षेत्र में रिक्त पदों की संख्या तथा मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या लगभग समान है, जबकि कृषि सांख्यिकी एवं सूचना तथा कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन विषयक्षेत्र में उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या चिन्हित रिक्तियों से भी कम है।

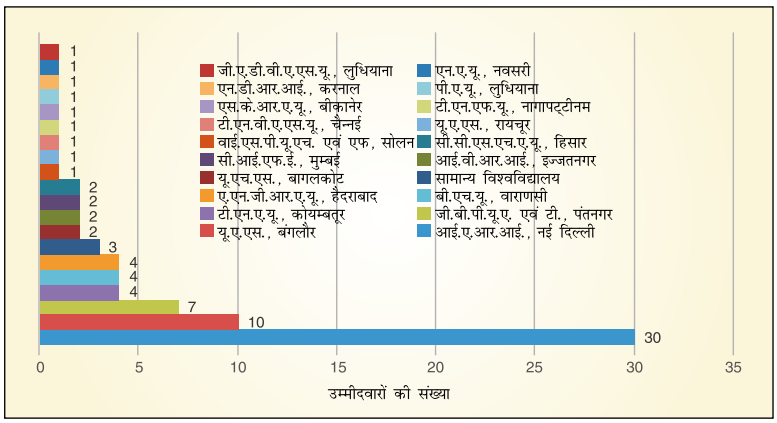

एआरएस 2015 में विश्वविद्यालयवार उम्मीदवारों का निष्पादन

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा में संगठनवार योगदान

आंकड़ों से ज्ञात होता है कि सिफारिश किए गए 79 उम्मीदवारों में से 35 उम्मीदवार मानद विश्वविद्यालयों (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई; भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, तथा राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल) से, 37 उम्मीदवार 14 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से, 04 उम्मीदवार बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं 03 उम्मीदवार सामान्य विश्वविद्यालयों से हैं।

राज्यवार विवरण

- कुल 79 सफल उम्मीदवारों में से 53 उम्मीदवार 07 राज्यों (राजस्थान, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश तथा तमिलनाडु) से तथा शेष 26 उम्मीवार शेष अन्य राज्यों से हैं।
- सफल 79 उम्मीदवारों में से 34% उम्मीदवार महिलाएं हैं जो सकारात्मक रूझान, रूचि तथा कृषि विज्ञान क्षेत्र में महिला उम्मीदवारों की सहभागिता दर्शाती है।

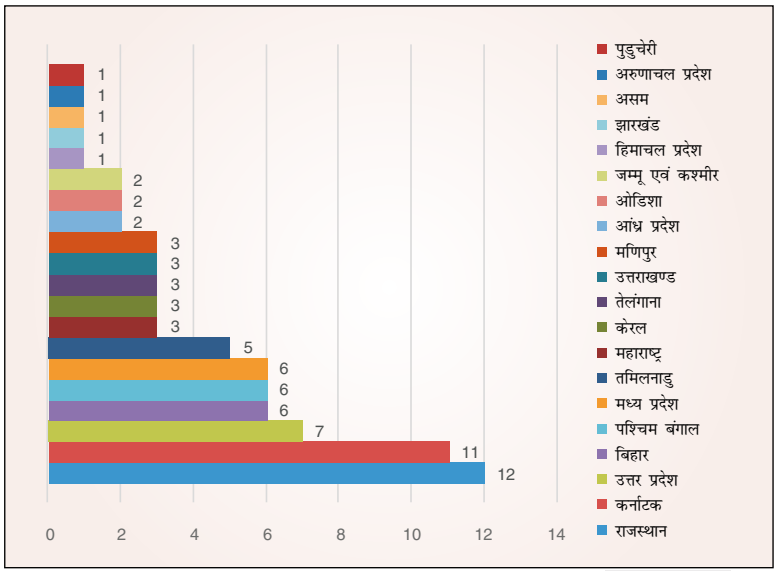

एआरएस-2015 में सफल उम्मीदवारों का राज्यवार विवरण

तकनीकी सहायक (टी-3) पदों के लिए सामान्य लिखित परीक्षा 2016

देश के 27 केन्द्रों में तकनीकी पदों (टी-3) पर भर्ती हेतु सामान्य लिखित परीक्षा का आयोजन 17 जुलाई, 2016 को किया गया। कुल 34,439 सूचीबद्ध उम्मीदवारों में से 12,153 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। मूल्यांकन प्रक्रिया जारी है।

तकनीशियन (टी-1) पदों के लिए सामान्य लिखित परीक्षा 2016

देश के 27 केन्द्रों में तकनीकी पदों (टी-1) पर भर्ती हेतु सामान्य लिखित परीक्षा 2016 का आयोजन 04 सितम्बर, 2016 को किया गया। कुल 80,020 सूचीबद्ध उम्मीदवारों में से 43,834 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। मूल्यांकन प्रक्रिया जारी है।

सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा

इस अवधि के दौरान सहायक तथा उच्च श्रेणी लिपिक पदों के लिए दो परीक्षाओं का आयोजन क्रमशः 07-08 फरवरी, 2017 तथा 21 फरवरी, 2017 को किया गया। विवरण निम्नलिखित है :

वर्ग	रिक्तियां	आवेदकों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	भरे गए पद
सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 2016				
सहायक	6	10	10	6
उच्च श्रेणी लिपिक	4	4	4	शून्य

कृषि अनुसंधान सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2016 तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट-I)-2017

भारत के 23 परीक्षा केन्द्रों में 56 विषयक्षेत्रों में एआरएस (प्रारंभिक) परीक्षा-2016 तथा नेट (I)-2017 का संयुक्त आयोजन ऑनलाइन पद्धति से 16-21 मई, 2017 के दौरान निर्धारित है।

सहायक पदों पर भर्ती

सहायक के 309 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 05 जनवरी से 02 फरवरी, 2015 के दौरान अखिल भारतीय ऑनलाइन खुली प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न भागों में स्थित 12 केन्द्रों में 18 अक्तूबर, 2015 को आयोजित मुख्य परीक्षा में 6255 उम्मीदवार उपस्थित हुए।

- राज्यवर विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 309 सफल उम्मी. दवारों में से 90 प्रतिशत सफल उम्मीदवार संघ शासित प्रदेश सहित 10 राज्यों (दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, झारखंड एवं केरल) से है। बाकी 30 सफल उम्मीदवार अन्य 11 राज्यों से उत्तीर्ण हुए हैं।
- विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सभी विज्ञापित पद उम्मीदवारों के विभिन्न वर्गों से विधिवत भर दिए गए हैं, अधिकतम उम्मीदवार सामान्य वर्ग (5 दिव्यांग उम्मीदवारों सहित कुल 172 उम्मीदवार), और इसके बाद का स्थान अन्य पिछड़े वर्ग (3 दिव्यांग उम्मीदवारों सहित 72 उम्मीदवार), अनुसूचित जाति से (40) तथा अनुसूचित जनजाति से (25) उम्मीदवार।
- इस वर्ष चयनित 309 उम्मीदवारों में से 26.5% महिलाएं हैं।
- चयनित 309 उम्मीदवारों की शैक्षिक पृष्ठभूमि के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि उनमें से 129 उम्मीदवार बी.टेक. तथा बी.ई. डिग्रीधारक हैं। सम्पूर्ण विश्लेषण नीचे दिया गया है।

शैक्षिक योग्यता के आधार पर विश्लेषण

डिग्री का नाम	प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन	मुख्य परीक्षा हेतु अर्हता प्राप्त	मुख्य परीक्षा में उपस्थित	चयनित
बी.ए.	13670	1055	849	42
बी. कॉम.	6189	506	407	11
बी. एससी.	11150	1337	1030	48
बी.टेक/बी.ई.	15585	2928	2074	129
अन्य (स्नातक)	3450	439	338	8
एम.एससी.	7610	760	578	26
एम.ए.	3920	345	272	12
एम.बी.ए.	2924	294	216	12
एम.सी.ए.	1260	147	124	2
एम.कॉम.	1230	109	86	4
एम.टेक/एम.ई.	1349	223	164	10
अन्य (स्नातकोत्तर)	1586	159	117	5
कुल	70645	8302	6255	309

4 सीधी भर्ती

वर्ष के दौरान मंडल में परिषद से 203 पदों पर भर्ती हेतु मांग पत्र प्राप्त हुए जबकि पिछले वर्ष के 38 रिक्त पद इस वर्ष में लाए गए। इस अवधि के दौरान मंडल ने 6 विज्ञापनों के माध्यम से सीधी भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की।

विज्ञापित पदों के वर्गवार विवरण से स्पष्ट होता है कि लगभग 65% पद प्रधान वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक स्तर के हैं, 20% पद मध्य स्तर के (अध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक तथा परियोजना समन्वयक) हैं जबकि शेष 15% पद अनुसंधान प्रबंधन स्तर (उप महानिदेशक, राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक, राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक, सहायक महानिदेशक, परियोजना निदेशक तथा निदेशक) के हैं।

वर्ष 2016-17 के दौरान विज्ञापित विभिन्न वैज्ञानिक पदों का स्तरवार विवरण निम्नलिखित है :-

विज्ञापित पद	2/2016	3/2016	4/2016	5/2016	1/2017	2/2017	कुल
उप महानिदेशक	.	.	.	2	.	.	**2**
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक	.	.	.	4	.	.	**4**
सहायक महानिदेशक	.	.	.	2	.	.	**2**
निदेशक	8	.	.	9	.	.	**17**
परियोजना निदेशक	.	.	.	1	.	.	**1**
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक	.	.	.	13	.	.	**13**
राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक	.	.	.	.	1	.	**1**
परियोजना समन्वयक	2	.	.	.	9	.	**11**
प्रभागाध्यक्ष	7	.	.	.	11	.	**18**
प्रधान वैज्ञानिक	.	51	.	.	.	.	**51**
वरिष्ठ वैज्ञानिक	.	.	22	.	.	52	**74**
कुल	**17**	**51**	**22**	**31**	**21**	**52**	**194**

वर्ष के दौरान मंडल ने 55 पदों (परिशिष्ट V एवं VI) की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। इनमें से 53% पद अनुसंधान प्रबंधन स्तर के तथा शेष 47% पद प्रभागाध्यक्ष एवं परियोजना समन्वयक तथा प्रधान वैज्ञानिकों के हैं। मंडल ने 96% मामलों में संस्तुतियां दी हैं जबकि 3.6% पद उपयुक्त उम्मीदवार की अनुपलब्धता के कारण नहीं भरे गए हैं, ऐसा पहली बार हुआ है।

वर्ष के दौरान पूर्ण की गई सीधी भर्ती प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण

वर्ग	पदों की संख्या	आवेदकों की संख्या	साक्षात्कार हेतु आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	चयनित	कोई उपयुक्त उम्मीवार उपलब्ध नहीं
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक (डीएनआई)	2	29	16	13	2	0
सहायक महानिदेशक (एडीजी)	2	58	18	12	2	0
निदेशक (डीआईआर)	23	544	231	182	23	0
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक (जेडीएनआई)	2	42	18	12	2	0
राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक (जेडी)	2	44	24	14	2	0
प्रभागाध्यक्ष (एचओडी)	14	110	75	49	13	1
परियोजना समन्वयक (प्रोजेक्ट कोर्डि.)	6	50	32	27	5	1
प्रधान वैज्ञानिक (पीएस)	4	47	24	22	4	0
सकल योग	**55**	**924**	**438**	**331**	**53**	**2**

मंडल ने कुल 924 आवेदनों की जांच की तथा 438 उम्मीदवारों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया। तथापि, 331 उम्मीदवार साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए। मंडल सामान्यत: प्रत्येक पद के लिए प्रथम 10 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेता है, परंतु इस वर्ष के दौरान प्रत्येक पद के लिए औसतन 6 उम्मीदवार उपलब्ध थे, उनमें से भी केवल पचपन प्रतिशत पदों के लिए ही 6 या इससे अधिक पात्रता वाले उम्मीदवार उपलब्ध थे। विवरण तालिका में दिया गया है :

चयन मंडल का एक दृश्य

विभिन्न पदों (अनुसंधान प्रबंधन एवं गैर अनुसंधान प्रबंधन) पर चयन का विवरण

पद	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या							
	1	2	3	4	5	6	>6	सकल योग
सहायक महानिदेशक				1			1	**2**
निदेशक				2	4	1	18	**25**
प्रभागाध्यक्ष	3	3	2		2	1	2	**13**
राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक						1	1	**2**
प्रधान वैज्ञानिक			1		1	1	1	**4**
परियोजना समन्वयक		1	2	1			1	**5**
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक	1						1	**2**
सकल योग	**4**	**4**	**5**	**4**	**7**	**4**	**25**	**53**

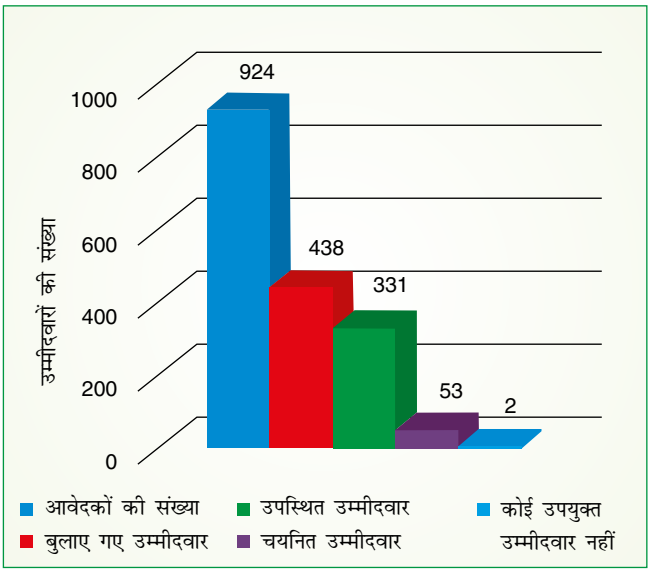

सीधी भर्ती के 55 पदों का विवरण

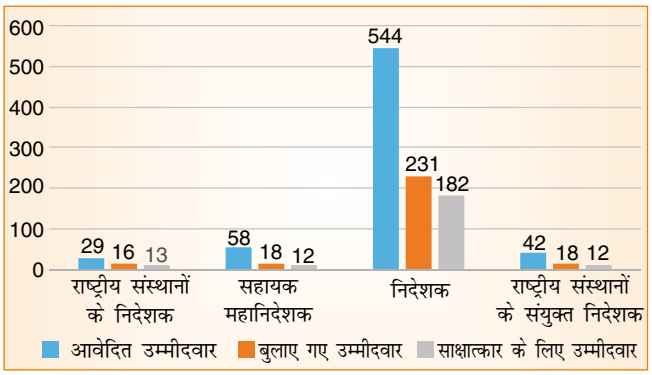

राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक, सहायक महानिदेशक, निदेशक तथा राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक पदों पर नियुक्तियों का विवरण

मंडल ने विज्ञापन संख्या 1/2016 तथा 2/2016 के अंतर्गत विज्ञापित 55 पदों की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। गैर अनुसंधान प्रबंधन पदों (राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक) की तुलना में अनुसंधान प्रबंधन के प्रत्येक पद के लिए आवेदकों की संख्या काफी अधिक थी।

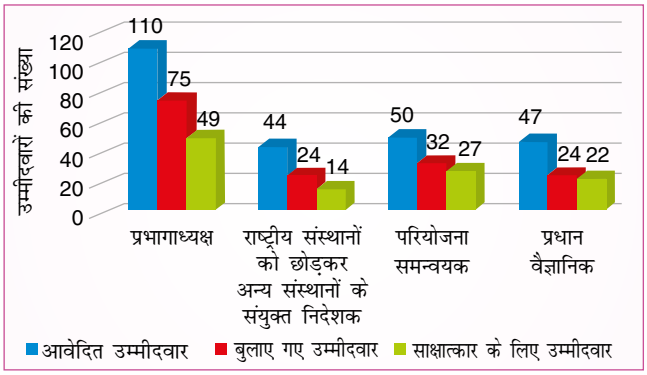

प्रभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक, परियोजना समन्वयक तथा प्रधान वैज्ञानिक पदों पर नियुक्तियों का विवरण

5 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्ति

परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति

भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग तथा अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की संस्तुतियां दी गई। चयनित उम्मीदवारों का विवरण तथा प्रत्येक वर्ग के रिक्त पदों का विवरण नीचे दिया गया है :

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा-2015 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग तथा दिव्यांग उम्मीदवारों के पदों का विवरण

वर्ग	विज्ञापित रिक्त पद	वास्तव में भरे गए पद	टिप्पणी
अनु.जाति	15	11	उपयुक्त उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण
अनु.ज.जाति	07	04	
दिव्यांग	3	2	
अ.पि.व.	26	21	
कुल	**51**	**38**	

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग तथा अन्य पिछड़े वर्ग के 51 पदों में से 25 प्रतिशत पद उपयुक्त उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण नहीं भरे जा सके।

सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा-2016 में सहायक पदों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग तथा दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित पदों का विवरण

वर्ग	विज्ञापित रिक्त पद	वास्तव में भरे गए पद	टिप्पणी
अनु.जाति	05	02	उपयुक्त उम्मीदवारों की अनुपलब्धता के कारण
अनु.ज.जाति	03	02	
दिव्यांग	0	0	
अ.पि.व.	02	02	
कुल	**10**	**06**	

6 वैज्ञानिकों का मूल्यांकन : कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.)

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन/पदोन्नतियां

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों के 51 विषयक्षेत्रों के अंतर्गत 179 प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 177 प्रस्तावों पर संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.) के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड में पदोन्नति/मूल्यांकन किया गया तथा संस्तुतियों को परिषद को भेजा गया (परिशिष्ट VII)। सी.ए.एस. प्रस्तावों का मुख्य विषयक्षेत्रवार विवरण निम्नलिखित है :

मुख्य विषयक्षेत्र	मूल्यांकित प्रस्ताव
फसल विज्ञान	74
बागवानी विज्ञान	12
पशु विज्ञान	32
मात्स्यिकी विज्ञान	07
प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	20
सामाजिक विज्ञान	20
कृषि अभियांत्रिकी	12
कुल	**177**

7 सुधार

असुविधाजनक क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एकक/केन्द्रों/ स्टेशनों की सूची की समीक्षा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत विभिन्न वैज्ञानिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए निर्धारित स्कोर कार्ड प्रणाली के संदर्भ में असुविधाजनक क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एकक/केन्द्र/स्टेशनों की सूची की समीक्षा हेतु एक समिति का गठन किया गया।

विचार मंथन सत्र का आयोजन

इस वर्ष के दौरान स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में 3 (अपरान्ह) एवं 4 नवम्बर, 2016 को केन्द्रीय लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में ''भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक कैडर हेतु प्रतिभा की खोज एवं उन्हें प्रणाली में बनाए रखना'' विषय पर एक विचार मंथन सत्र का आयोजन किया गया। मंडल के पूर्व अध्यक्षगण, प्रो. आर. बी. सिंह, डॉ. एम. महादेवप्पा; डॉ. एम. एल. मदान, पूर्व उपमहानिदेशक (पशु विज्ञान); डॉ. जे. एस. सामरा, पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन.आर.ए.ए.; डॉ. जे. सी. कटयाल, पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा); डॉ. अनुपम वर्मा, पूर्व संकाय अध्यक्ष, आई.ए.आर.आई.; प्रो. एम. एस. कांग, पूर्व कुलपति तथा डॉ. एम. एल. जाट (दक्षिण एशिया समन्वयक) सी.आई.एम.एम.वाई.टी. ने विचार मंथन सत्र में भाग लिया। डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष कृ.वै.च.मं. ने विभिन्न पहलुओं को सम्मानित पैनलिस्ट के समक्ष प्रस्तुत किया और इन पहलुओं पर समूह के सदस्यों की राय मांगी।

प्रमुख संस्तुतियां एवं कार्य बिंदु

- यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं को भविष्य में ऑनलाइन पद्धति से ही आयोजित किया जाए। यह भी वांछनीय है कि कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा भा.कृ.अनु.प. के परामर्श से वर्ष में आयोजित की जाने वाली विभिन्न परीक्षाओं का एक वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाए।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा अर्जित राजस्व को पूरी तरह से नई मौलिक सुविधाओं के सृजन तथा कृ.वै.च.मं. के मुख्यालय तथा कृ.वै.च.मं. की परीक्षाओं को आयोजित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में स्थित परीक्षा केन्द्रों में मौजूद मौलिक सुविधाओं में सुधार हेतु उपयोग किया जाना चाहिए।
- कृ.वै.च.मं. को और अधिक स्वायत्तता तथा दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए संसाधन उपलब्ध कराने हेतु उपयुक्त विधान के माध्यम से कानूनी अधिकारों के साथ इसे 'आयोग' में बदलने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली (एन.ए.आर.ई.एस.) के विभिन्न घटकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों में अस्पष्टता तथा द्वैतता को दूर करने हेतु कृषि प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करने हेतु 'तकनीकी मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरण समिति' की स्थापना करने की आवश्यकता है।
- विभिन्न पदों पर गुणसम्पन्न उम्मीदवारों के चयन में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु साक्षात्कार मंडल में विशेषज्ञता, कुशलता तथा सत्यता वाले विशेषज्ञों को सूचीबद्ध करने हेतु उपयुक्त मानदंडों का विकास किया जाना चाहिए।
- राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में तथा इसके विपरीत क्रम में गुणसम्पन्न मानव संसाधनों के पार्श्व प्रवेश को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए ताकि राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली को 'अखिल भारतीय रूप' दिया जा सके।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निदेशकों के नियमित पद लंबी अवधि तक रिक्त न रहें चूंकि इससे सामान्य अनुसंधान, अध्यापन एवं विस्तार गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- वैज्ञानिकों को सीधी भर्ती योजना के माध्यम से व्यवसायिक विकास के लिए प्रोत्साहित करना वांछनीय है, चूंकि कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत पदोन्नतियां भारतीय कृषि अनुसंधान प्रणाली में इनब्रिडिंग को बढ़ावा देता प्रतीत होता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि वैज्ञानिक, जो अपने मूल राज्य एवं प्रदेश से दूर कार्यरत हैं उन्हें प्रत्येक पूर्ण वर्ष की सेवा के लिए स्कोर कार्ड में '1' या '2' अंक देकर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में कृषि अनुसंधान पदों पर उम्मीदवारों के चयन में नेतृत्व गुणवत्ता, स्वभावजन्य गुण तथा ज्ञान संबंधी कौशल को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के बीच के संबंध किस प्रकार एक दूसरे के लिए लाभदायक हैं इसकी समीक्षा एक स्वतंत्र एजेंसी से करवाई जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ सहयोगिक रूप से कार्य करने के दौरान कृ.वै.च.मं. को वास्तविक रूप से कितनी स्वायतता प्राप्त हुई है।

विचार मंथन सत्र की झलकियां

विचार मंथन सत्र की झलकियां

- कृ.वै.च.मं. की कार्यदक्षता में वृद्धि के लिए सिफारिशों की पहचान हेतु पूर्व में गठित समितियों के लाभदायक सुझावों को कार्यान्वित करना आवश्यक है जिन्हें अब तक कार्यान्वित नहीं किया गया है या आंशिक रूप से कार्यान्वित किया गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि जिन सिफारिशों को कार्यान्वित किया गया है उनका मूल्यांकन भी किया जाए।
- विभिन्न विषयक्षेत्रों (जैवसूचना, सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर विज्ञान) को एक एकल विषय बनाना वांछनीय नहीं है तथा कृषि अनुसंधान सेवा विषयों को वर्तमान एवं भावी आवश्यकताओं के अनुसार व्यापक रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए।
- कुछ शब्दों की परिभाषाओं को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है, जैसे 'संबंधित विषयों' में विशेषज्ञता तथा 'उत्कृष्ट वैज्ञानिक' जिनका उपयोग कृ.वै.च.मं. के विज्ञापनों में समय-समय पर किया जाता है, ताकि अस्पष्टताओं को दूर कर स्पष्ट दिशा-निर्देश तैयार किए जा सकें।
- चयन प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता पूर्ण रूप से बनाए रखने के लिए नियमित कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या होनी चाहिए ताकि कोई चूक होने पर उन्हें उत्तरदायी माना जा सके। कृ.वै.च.मं., जो अब प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्मिकों की नियुक्ति भी करता है, जिससे कार्य परिमाण में वृद्धि के कारण भी, नियमित कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि आवश्यक हो गई है।
- भा.कृ.अनु.प. तथा कृ.वै.च.मं. को भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद की तर्ज पर भारतीय कृषि परिषद की स्थापना हेतु अपने प्रयासों को तेज करना चाहिए ताकि विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले छात्रों को अपने ज्ञान, प्रौद्योगिकीय दक्षता तथा सतत विकास के लिए मानव संवेदनशीलता की वृद्धि हेतु एक्सपोजर प्राप्त हो सके।
- वर्तमान स्कोर कार्ड प्रणाली को व्यापक आधार तथा देश के कृषि अनुसंधान से अभिन्न रूप से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सम्मिलित किया जाना चाहिए।
- यह बेहतर होगा यदि सभी प्रशासनिक एवं तकनीकी सेवाओं के पदों को कृ.वै.च.मं. के एक ही विज्ञापन में दिया जाए।
- प्रशासनिक एवं वित्त अधिकारियों की नियुक्ति के लिए कृ.वै.च.मं. को देश के प्रख्यात इंजीनियरिंग तथा प्रबंधन संस्थाओं/विश्वविद्यालयों से कैम्पस सलेक्शन प्रारंभ करना चाहिए।
- उच्च उपाधियां प्राप्त करने के लिए लगने वाली लंबी अवधि को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रशासनिक एवं तकनीकी पदों के लिए आयु सीमाओं में छूट दी जानी चाहिए।

8 सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 का अनुपालन

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल परीक्षाओं, नियुक्तियों, मूल्यांकनों तथा चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता अपनाने एवं सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 को सच्चे अर्थों में लागू करने हेतु कटिबद्ध है। सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 की धारा 4 के अनुसार नियुक्तियों एवं मूल्यांकन से संबंधित अद्यतित सूचनाएं समय-समय पर मंडल की वेबसाइट www.asrb.org.in पर डाली जाती है। मंडल सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अनेक अनुरोधों एवं अपीलों का निर्धारित अवधि में बड़ी कुशलता एवं संतोषजनक रूप से निपटारा करता है। इस संदर्भ में मंडल ने एक दायित्वपूर्ण 'लोक प्राधिकरण' के रूप में सभी आवश्यक एवं उचित कार्रवाइयां की है। मंडल ने सूचना याचकों के अनुरोधों के निपटान के लिए दो केन्द्रीय जन सूचना अधिकारियों तथा एक अपील अधिकारी की नियुक्ति की है।

इस अवधि के दौरान 515 मामले प्राप्त हुए हैं जिनमें मुख्यत: विशेषज्ञों के नाम, स्क्रीनिंग एवं साक्षात्कारों में प्राप्त अंक, सीधी भर्ती के पदों के लिए आवेदनों की जांच प्रक्रिया, एआरएस/नेट परीक्षाओं में प्राप्त अंक, एआरएस उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया, प्रारंभिक परीक्षा के उत्तर, उत्तर पुस्तिकाओं, ओ.एम.आर. शीट तथा प्रश्न पत्रों की फोटो प्रतियां, मंडल के सक्रिय आदेश/नियम तथा मंडल में सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 का कार्यान्वयन से संबंधित हैं।

कुल 515 मामलों में से केवल 6 आवेदकों ने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के निर्णय के विरुद्ध केन्द्रीय सूचना आयोग के समक्ष दूसरी अपील प्रस्तुत की है। इन सभी मामलों को भी संतोषजनक रूप से निपटाया गया है। संपूर्ण विवरण निम्नलिखित है:

वर्ष 2016-17 के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अंतर्गत निष्पादित मामलों का विवरण

खण्ड-1 : (अनुरोधों एवं अपीलों का विवरण)

	01.04.2016 से पूर्व लम्बित मामलें	अन्य स्थानों से स्थानांतरित हो कर आए मामलें	तिमाही के दौरान प्राप्त अनुरोध (अन्य स्थानों पर भेजे गए पत्रों सहित)	अन्य स्थानों पर भेजे गए मामलें	निर्णय जहां अनुरोध/अपील अस्वीकार किया गया हो	निर्णय जहां अनुरोध/अपील स्वीकृत किया गया हो
अनुरोध	0	15	500	13	15	487
प्रथम अपील	0	-	84	-	5	79
		स.के.ज.सू. अधिकारियों की कुल संख्या		के.ज.सू. अधिकारियों की कुल संख्या		अपील अथॉरिटी की संख्या
		.		2		1

खण्ड-2: (एकत्रित शुल्क, लगायी गयी जुर्माना राशि तथा की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई)

वसूल की गई पंजीकरण राशि धारा 7(1)	वसूल की गई अतिरिक्त राशि धारा 7(3)	केन्द्रीय सूचना आयोग के निर्देशों के अनुसार वसूल की गई जुर्माना राशि धारा 20(1)	अधिकारियों के विरूद्ध की अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलें धारा 20(2)
4730/-	1154/-	0	0

खण्ड-3 : (मांगी गई सूचना मना करने के दौरान धारा 8 के विभिन्न प्रावधानों के उपयोग)

मांगी गई सूचना देने से मना करने के दौरान कितने बार सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के विभिन्न प्रावधानों का सहारा लिया गया उसका विवरण

धारा 8(1)										अन्य धारा			
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)	(एच)	(आई)	(जे)	(9)	(11)	(24)	अन्य
.	.	.	.	1	.	.	.	.	7	.			7

9 राजभाषा हिंदी की प्रगति

केन्द्र सरकार/भा.कृ.अनु.प. की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा राजभाषा कार्यक्रम में निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल अपने कार्यालय में हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु कटिबद्ध है।

- परिपत्रों, रिपोर्टों तथा अन्य दस्तावेजों की द्विभाषी आवश्यकता को सुनिश्चित करने हेतु अधिनियम तथा नियमों के प्रावधानों को मंडल में पूर्ण निष्ठा से अनुपालन किया जाता है।
- मंडल में समस्त अधिकारियों एवं कार्मिकों को हिंदी में प्रवीणता/कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

राजभाषा सप्ताह की झलकियां

(14 सितंबर, 2016 से 21 सितंबर, 2016)

अध्यक्ष, कृ.वै.च.म. प्रो. पूरन चंद टंडन को सम्मानित करते हुए

राजभाषा सप्ताह उद्घाटन का एक दृश्य

राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के दृश्य

राजभाषा सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कारों का वितरण

- कर्मचारियों को सहायक साहित्यिक सामग्री, जैसे कृषि शब्दकोश, मानक पत्रों/मसौदों के हिंदी नमूने, सामान्य वाक्यांशों का हिंदी समानार्थ वाक्य भी उपलब्ध कराए गए।
- परीक्षा नियमों, नोटिस, पाठ्यक्रम, उम्मीदवारों के लिए अनुदेश, प्रवेश प्रमाण पत्र, टेस्ट बुकलेट, उत्तर पुस्तिका, प्रश्न पत्र, आवेदन प्रपत्र, उपस्थिति सूची आदि का मुद्रण अंग्रेजी संस्करण के साथ-साथ हिंदी संस्करण भी प्रकाशित किया जाता है।
- इस अवधि के दौरान मंडल द्वारा जारी किए गए छह विज्ञापन 'रोजगार समाचार' सहित देश के अग्रणी समाचार पत्रों में हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार तथा प्रकाशित किए गए।
- कृ.वै.च.म. के सभी कम्प्यूटरों में यूनिकोड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।
- प्रश्नकर्ताओं/अनुवादकों की सुविधा के लिए कृषि शिक्षा/अनुसंधान में प्रयोग होने वाले महत्वपूर्ण तकनीकी शब्दों के लिए अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश तैयार किए गए हैं।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल यह सुनिश्चित करता है कि उम्मीदवारों को प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कारों में प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने हेतु हिंदी माध्यम को चुनने का विकल्प उपलब्ध हो।
- इस वर्ष के दौरान मंडल ने अपनी वेबसाइट www.asrb.org.in को द्विभाषी (अंग्रेजी एवं हिंदी) रूप में तैयार किया।
- इस वर्ष के दौरान मंडल ने अपने पुस्तकालय हेतु विभिन्न विषयों के 10 हजार रुपए से अधिक की पुस्तकों की खरीद की।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार इस वर्ष के दौरान मंडल ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकों का आयोजन किया जिनमें राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई एवं निर्णय लिए गए। दूसरी बैठक के दौरान अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि मंडल के वेबसाइट को पूर्ण रूप से द्विभाषी किया जाए। इस अवधि के दौरान हिंदी पुस्तकों की खरीद हेतु एक समिति का गठन भी किया गया।

हिंदी सप्ताह का आयोजन

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में 14 सितंबर, 2016 से 21 सितंबर, 2016 के दौरान हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। हिंदी सप्ताह के उद्घाटन समारोह में प्रो. (डॉ.) पूरन चंद टंडन, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। अपने संबोधन में, प्रो. (डॉ.) पूरन चंद ने हिंदी भाषा से संबंधित अनेक किस्सों का भी उल्लेख किया। इस सप्ताह के दौरान पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, नामत: पत्र लेखन, टिप्पण लेखन, शब्दावली, आशुभाषण तथा कविता पाठ। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने नकद पुस्कार प्रदान किए। हिंदी सप्ताह का समापन समारोह 21 सितंबर, 2016 को आयोजित किया गया। डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, निदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान मुख्य अतिथि के रूप में तथा पूर्व सहायक महानिदेशक डॉ. वी. आर. चित्रांशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथि ने अपने औपचारिक संबोधन में जटिल वाक्यों से दूर रहते हुए सरल शब्दों के उपयोग का सुझाव दिया।

राजभाषा सप्ताह का समापन समारोह का एक दृश्य

दोनों ही अवसरों पर कृ.वै.च.म. के अध्यक्ष, डॉ. गुरबचन सिंह ने राजभाषा के नियमों एवं विनियमों के पूर्ण अनुपालन का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कृ.वै.च.म. नराकास, उत्तरी दिल्ली का नोडल कार्यालय है, अत: इस कार्यालय को एक आदर्श उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करना है। इसके लिए समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां केवल हिंदी सप्ताह/पखवाड़ा तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए। दोनों ही अथितियों ने भाषा से संबंधित अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए तथा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रभावकारी मार्ग सुझाए। अध्यक्ष, कृ.वै.च.म. ने राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की प्रगति की सराहना की। मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष द्वारा हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तरी दिल्ली का गठन किया है जिसमें भारत सरकार के 45 कार्यालय सदस्य हैं। जिसमें वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तरी दिल्ली ने सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत के सहयोग से 30 अगस्त, 2016 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

एक दिवसीय कार्यशाला की झलकियां

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, नराकास द्वारा दीप प्रज्वलन

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, नराकास द्वारा सम्बोधन

डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, निदेशक, निस्केयर द्वारा सम्बोधन

डॉ. दिनेश कुमार असवाल, निदेशक, एन.पी.एल. द्वारा सम्बोधन

तथा नराकास, उत्तरी दिल्ली के अध्यक्ष, डॉ. गुरबचन सिंह, डॉ. मनोज कुमार पटेरिया, निदेशक राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान, डॉ. दिनेश कुमार असवाल, निदेशक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला तथा कृ.वै.च.मं. तथा राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला में 36 सदस्य कार्यालयों के 81 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में चार व्याख्यानों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर कार्यशाला अत्यंत उपयोगी रही और सदस्य कार्यालयों ने अनुरोध किया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाना चाहिए।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तरी दिल्ली के सदस्य कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा नराकास, उत्तरी दिल्ली के अध्यक्षीय कार्यालय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल तथा 9 सदस्य कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण का आयोजन दिनांक 01 जून, 2016 को अशोका होटल, नई दिल्ली में किया गया। बैठक में सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुख तथा अध्यक्ष, नराकास (उत्तरी दिल्ली), डॉ. गुरबचन सिंह के साथ सदस्य सचिव, नराकास (उत्तरी दिल्ली), श्री पी. आर. राव, उपनिदेशक (राजभाषा), कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता डॉ. सत्यनारायण जटिया, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) ने की तथा समिति के उपाध्यक्ष, डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसानी, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा), श्री हुकमदेव नारायण यादव, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) तथा डॉ. सत्यव्रत चतुर्वेदी, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) के साथ समिति सचिवालय के अधिकारीगण निरीक्षण बैठक में उपस्थित हुए। विधिवत भरी गई प्रश्नावली समिति को प्रस्तुत की गई तथा प्रश्नावली की जांच के बाद उपाध्यक्ष एवं समिति के अन्य माननीय सदस्यों ने नराकास (उत्तरी दिल्ली) के प्रभावकारी संचालन के लिए कुछ विशेष सुझाव दिए। निरीक्षण का आयोजन बड़े सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में किया गया तथा समिति के माननीय सदस्य, जारी दिशा-निर्देशों एवं दिए गए उत्तरदायित्व

नराकास (उत्तरी दिल्ली) का राजभाषा निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को राष्ट्रपति के आदेशों के संकलन की भेंट

को पूरा करने में नराकास (उत्तरी दिल्ली) के प्रयासों से पूर्ण संतुष्ट हुए।

नराकास (उत्तरी दिल्ली) की अर्धवार्षिक बैठक

वर्ष 2016-17 की दूसरी बैठक का आयोजन दिनांक 30 नवंबर, 2016 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, नई दिल्ली में किया गया। श्रीमती मीनाक्षी गौड़, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, निस्सकेयर ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। 41 सदस्य कार्यालयों ने बैठक में भाग लिया। लगभग 25 निदेशक/ कार्यालय/संस्थान के प्रमुख बैठक में उपस्थित रहे। श्री प्रमोद शर्मा, उपनिदेशक, राजभाषा ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में 38 कार्यालयों की अर्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए सदस्य कार्यालयों को लिखित सुझाव दिए गए। सुझावों के लिए एक खुले सत्र का भी आयोजन किया गया जिसमें चर्चा के दौरान राजभाषा नीति के प्रभावकारी कार्यान्वयन हेतु नराकास (उत्तरी दिल्ली) की सहायता के लिए एक समन्वय समिति के गठन सहित विभिन्न मुद्दों को सुलझाया गया।

वर्ष 2015-16 की दो अर्धवार्षिक रिपोर्टों के आधार पर, हिंदी कार्य निष्पादन के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार दो श्रेणियों में वितरित किए गए।

नराकास (उत्तरी दिल्ली) की अर्धवार्षिक बैठक

सचिव एवं उप-सचिव, कृ.वै.च.म., राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते हुए

विजेता कार्यालयों का विवरण इस प्रकार है :

	बड़े कार्यालय	छोटे कार्यालय
प्रथम पुरस्कार	राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान	कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
द्वितीय पुरस्कार	दिल्ली दुग्ध योजना	राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो
तृतीय पुरस्कार	भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान	रक्षा भू-भाग अनुसंधान प्रयोगशाला

पुरस्कार वितरण के पश्चात अध्यक्ष, नराकास (उत्तरी दिल्ली) ने बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने इस बात पर बल दिया कि संगठनों के प्रमुख बैठक में भाग लें ताकि राजभाषा संबंधी मुद्दों पर सामूहिक रूप से प्रभावकारी निर्णय लिया जा सके। श्री केशव देव, उप निदेशक (राजभाषा), आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

10 स्थापना दिवस समारोह

मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि माननीय सदस्य नीति आयोग तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने दिनांक 03 नवंबर, 2016 को भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में अपना 43वां स्थापना दिवस आयोजित किया। प्रो. रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग इस समारोह के मुख्य अतिथि रहे तथा उन्होंने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

समारोह में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पूर्व अध्यक्ष एवं सदस्य; डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प.; श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. तथा भा.कृ.अनु.प. के अन्य अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के उपकुलपति, भा.कृ.अनु.प. संस्थानों के निदेशक, पूर्व उपमहानिदेशक, उपकुलपति, संकाय अध्यक्ष, वैज्ञानिक समुदाय के सदस्य तथा छात्र सम्मिलित हुए।

प्रो. रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग द्वारा सम्बोधन

स्थापना दिवस की मुख्य विशेषताएं

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

प्रो. रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के 42 वर्षों के सुहाने सफर की सराहना की, जिसका श्रेय उन प्रतिष्ठित लोगों को दिया जिनके मार्गदर्शन में कृ.वै.च.मं ने अपना लक्ष्य प्राप्त किया। उन्होंने सभी संबंधितों से आग्रह किया कि कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में उभरते पहलुओं का समाधान करें। उन्होंने मंडल से आग्रह

सचिव डेयर तथा महानिदेशक भा.कृ.अनु.प. द्वारा सम्बोधन

स्थापना दिवस समारोह की झलकियां

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा प्रो. रमेश चंद, सदस्य नीति आयोग का पुष्पगुच्छ से स्वागत

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं द्वारा डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. का पुष्पगुच्छ से स्वागत

डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं द्वारा डॉ. आर. बी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं का पुष्पगुच्छ से स्वागत

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं द्वारा डॉ. एम. महादेवप्पा, पूर्व अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं को शॉल पहनाकर स्वागत

डॉ. पी. सी. शर्मा, निदेशक, सी.एस.एस.आर.आई. द्वारा श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. का पुष्प गुच्छ से स्वागत

प्रो. रमेश चंद, माननीय सदस्य, नीति आयोग द्वारा अनुष्ठानिक दीप प्रज्वलन

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अनुष्ठानिक दीप प्रज्वलन

छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अनुष्ठानिक दीप प्रज्वलन

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं द्वारा अनुष्ठानिक दीप प्रज्वलन

डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं द्वारा अनुष्ठानिक दीप प्रज्वलन

डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. को स्मृति चिन्ह भेंट

डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा प्रो. रमेश चन्द, सदस्य नीति आयोग को स्मृति चिन्ह भेंट

डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा डॉ. एम. महादेवप्पा, पूर्व अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं को स्मृति चिन्ह भेंट

डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा डॉ. आर. बी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं को स्मृति चिन्ह भेंट

किया कि जो भी कमियां हों, उन्हें दूर करें ताकि बदलते परिवेश में राष्ट्रीय विकास में सक्रिय योगदान दे सके। उन्होंने कृ.वै.च.मं की दक्षता को सुदृढ़ करने हेतु वर्तमान नियुक्ति एवं चयन प्रक्रिया में कुछ संरचनात्मक बदलावों का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अपने राज्य तथा प्रदेश से बाहर कार्यरत वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने हेतु कोई व्यवस्था विकसित की जाए।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प. ने कृ.वै.च.मं. की उपलब्धियों तथा कृषि अनुसंधान प्रणाली में उत्कृष्टता लाने हेतु प्रशंसा की। कृ.वै.च.मं. की कार्यदक्षता एवं पारदर्शिता में और अधिक सुधार हेतु गठित विभिन्न समितियों की सिफारिशों पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि विभिन्न पणधारियों के साथ संयुक्त चर्चाएं की जाएं ताकि वांछित सुधारों के लिए कार्यबिंदुओं की पहचान हो सके।

श्री छबिलेन्द्र राउल, अपर सचिव, डेयर एवं सचिव, भा.कृ.अनु.प. ने कृषि अनुसंधान के लिए गुणीय मानव संसाधन के चयन तथा देश के विकास में योगदान के लिए कृ.वै.च.मं की सराहना की तथा उम्मीदवारों एवं अन्य पणधारियों के संतोष स्तर में वृद्धि की आवश्यकता पर जोर दिया।

अपर सचिव डेयर तथा सचिव, भा.कृ.अनु.प. द्वारा सम्बोधन

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं ने अपने स्वागत व्याख्यान में कृ.वै.च.मं की नई पहल सहित उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सूचित किया कि कृ.वै.च.मं क्रमिक रूप से लिखित परीक्षा से कम्प्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली की ओर बढ़ गया है। उन्होंन कहा कि अनुसंधान प्रबंधन पदों के आवेदनों की जांच प्रक्रिया को ऑटोमाइज करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया में मानव चूक से बचा जा सके। उन्होंने सूचित

अधयक्ष, कृ.वै.च.म. द्वारा सम्बोधन

किया कि सम्पूर्ण प्रक्रिया को डिजिटाइज करने का भी प्रयास किया जा रहा है ताकि चयन प्रक्रिया को गति, के साथ साथ पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. एम. महादेवप्पा, पूर्व अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं ने मंडल में अपने अनुभवों को साझा किया और देश के कृषि अनुसंधान एवं विकास में सहायता हेतु गुणीय मानव संसाधनों के चयन में बहुमूल्य योगदान

डॉ. एम. महादेवप्पा, पूर्व अधयक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा सम्बोधन

की अभिस्वीकृति की। प्रो. आर. बी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं ने मंडल की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया। डॉ. जे. एस. सामरा, पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन.आर.ए.ए. ने उपयुक्त अनुसंधानकर्ताओं के चयन में कृ.वै.च.मं के महत्वपूर्ण योगदान की प्रसंशा की।

डॉ. वी. एन. शारदा, सदस्य, कृवैचमं ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.चं.मं. द्वारा धन्यवाद ज्ञापन

स्थापना दिवस के एक भाग के रूप में ''भा.कृ.अनु.प. में वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक कैडरों के लिए प्रतिभा की खोज तथा उन्हें प्रणाली में बनाए रखने'' विषय पर 03 नवंबर के दोपहर तथा 04 नवंबर, 2016 को एक विचार मंथन सत्र का आयोजन किया गया। डॉ. आर. बी. सिंह, डॉ. एम. महादेवप्पा, मंडल के पूर्व अध्यक्षगण; डॉ. एम. एल. मदान, पूर्व उपमहानिदेशक (पशु विज्ञान); डॉ. जे. एस. सामरा, पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन.आर.ए.ए.; डॉ. जे. सी. कटयाल, पूर्व उपमहानिदेशक (शिक्षा); डॉ. अनुपम वर्मा, पूर्व संकायाध्यक्ष, आई.ए.आर.आई.; प्रो. एम. एस. कांग, पूर्व कुलपति तथा डॉ. एम. एल. जाट (दक्षिण एशिया समन्वयक) सी.आई.एम. एम.वाई.टी. ने विचार मंथन सत्र में भाग लिया। डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने प्रख्यात पैनलिस्टों के समक्ष विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया और इन पहलुओं पर समूह के सदस्यों के राय मांगे।

11 महिला सशक्तिकरण

नेट परीक्षा 2016 (I) का आयेजन दिनांक 01-06 अगस्त, 2016 के दौरान किया गया। नेट परीक्षा शिक्षण संस्थानों/राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में लेक्चरर/सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति हेतु पूर्व अपेक्षित योग्यता परीक्षा है। आंकड़ों के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कुल 3803 सफल उम्मीदवारों में से 1673 (44%) महिलाएं उम्मीदवार थीं।

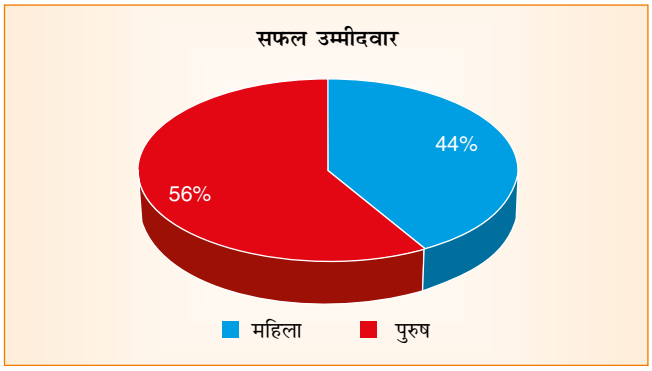

नेट परीक्षा 2016 (I) में सफल उम्मीदवारों में महिला एवं पुरुष उम्मीदवारों का अनुपात

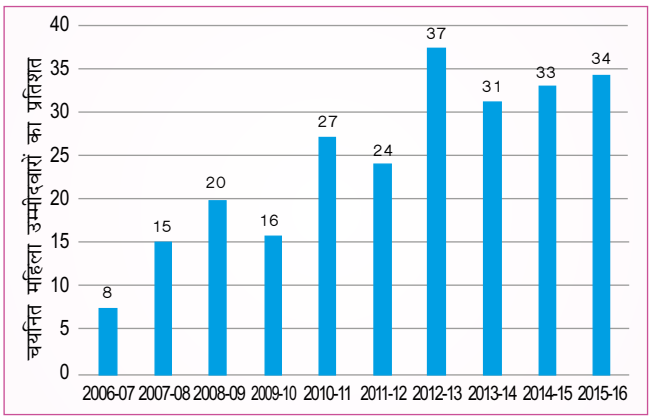

एआरएस (2006-16) में महिला उम्मीदवारों का निष्पादन

नौ वर्षों की अवधि के आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के प्रवेश स्तर पर महिला उम्मीदवारों का प्रतिशत 2006-07 के 8% से बढ़कर 2016-17 में 34% हो गया है, जो एक सकारात्मक बदलाव है। मंडल महिला उम्मीदवारों को प्रतियोगिता हेतु प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है ताकि लैंगिक समानता तथा महिला सशक्तिकरण के साथ ही प्रणाली में महिला पुरुष अनुपात में सुधार हो सके।

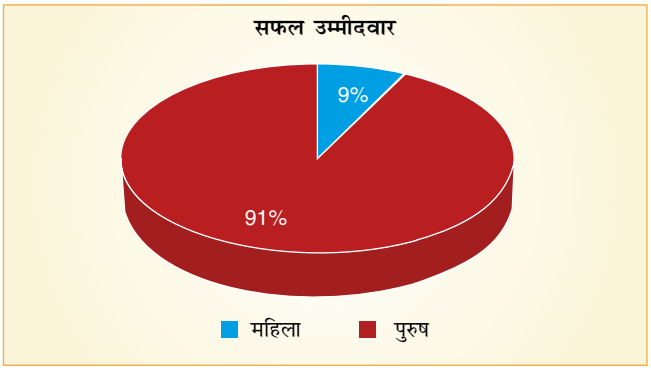

सीधी भर्ती 2016-17 में महिला उम्मीदवारों का निष्पादन

अनुसंधान प्रबंधन पदों तथा गैर अनुसंधान प्रबंधन पदों पर लगभग 9% महिला उम्मीदवारों का चयन सीधी भर्ती द्वारा किया गया।

12 विविध

कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट योजना के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में वैज्ञानिकों की पदोन्नतियों के मामलों पर विचार करने हेतु विभिन्न समितियों के अध्यक्षों को अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा नामित किया जाता है। अत: कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष ने विभिन्न संस्थानों में चयन समितियों के अध्यक्षों का नामांकन किया है। इन नामांकनों के अतिरिक्त अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय तथा भारत के विभिन्न भागों में स्थित भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों में कार्यरत तकनीकी कार्मिकों के मामलों पर विचार करने हेतु मूल्यांकन समितियों के गठन हेतु नामांकन किया है।

तकनीकी कार्मिकों की मूल्यांकन आधारित पदोन्नतियां

मंडल ने विभिन्न वर्गों के तकनीकी कर्मचारियों के लिए 73 संस्थान की मूल्यांकन समितियों में विशेषज्ञों के नामांकन को अंतिम रूप दिया। विवरण परिशिष्ट VIII में दिया गया है।

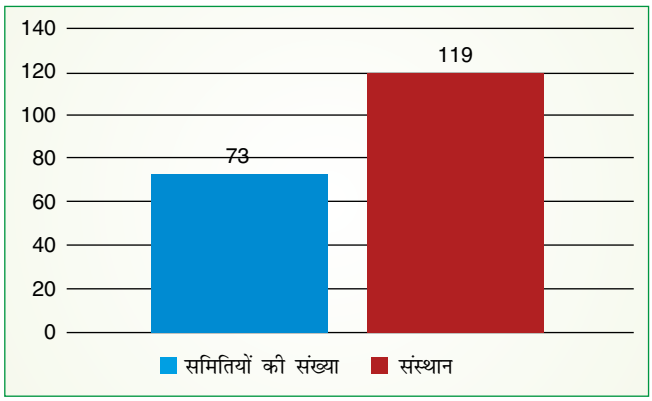

तकनीकी कार्मिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

वैज्ञानिकों की मूल्यांकन आधारित पदोन्नतियां

मंडल द्वारा वैज्ञानिकों को अनुसंधान ग्रेड पे 6000/- से 7000/-, 7000/- से 8000/- तथा 8000/- से 9000/- रुपए के अनुसंधान ग्रेड पे में पदोन्नति हेतु 66 संस्थानों में विभागीय पदोन्नति समितियों के गठन के लिए विशेषज्ञों के नामांकनों को अंतिम रूप देकर अधिसूचित किया गया जिसका विवरण परिशिष्ट IX में दिया गया है।

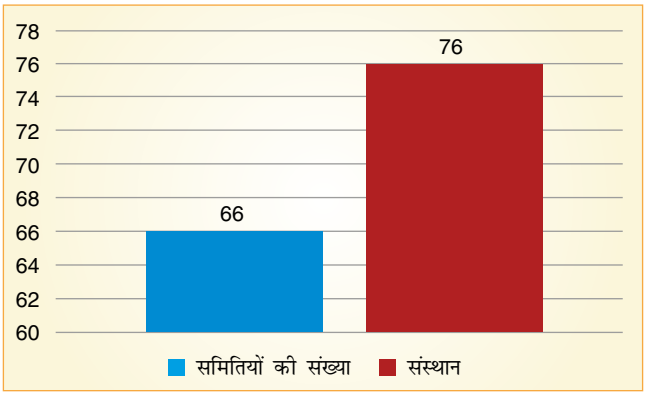

वैज्ञानिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

13 पुरस्कार एवं सम्मान

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त पुरस्कार/सम्मान

विषेश उपलब्धि पुरस्कार

भारतीय खाद्य एवं कृषि परिषद द्वारा नई दिल्ली में 08 सितंबर, 2016 को आयोजित 9वां ग्लोबल एग्रीकल्चर लीडरशिप समिट के दौरान डॉ. गुरबचन सिंह को विशेष उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपालों से विशेष उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त करते हुए

प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव, सदस्य, कृ.वै.च.मं. को प्राप्त पुरस्कार/सम्मान

संरक्षकता पुरस्कार/पैट्रनशिप अवार्ड

अध्यक्ष, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तथा अध्यक्ष, इंडियन डेयरी एसोसिएशन से पुरस्कार प्राप्त करते हुए

प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव को 16 फरवरी, 2017 को इंडियन डेरी एसोसिएशन के संरक्षकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट निष्पादन पुरस्कार

नराकास (उत्तरी दिल्ली) द्वारा दिनांक 30 नवंबर, 2016 को वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए छोटे कार्यालयों के वर्ग में कृ.वै.च.मं. को प्रथम पुरस्कार दिया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए मंडल के सचिव एवं उप सचिव

■

14 दौरे

डॉ. गुरबचन सिंह, अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं द्वारा विशेष व्याख्यान, तकनीकी दौरे तथा पारस्परिक चर्चाएं

- भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोवा में 01 अप्रैल, 2016 को आयोजित स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति हुए।

गोवा में किसानों को गुणयुक्त बीजों का वितरण

- उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर, पटना में 05 अप्रैल, 2016 को ''उत्तर-पूर्वी राज्यों की जल-संकुलित पारिस्थितिकियों के पुनरूद्धार हेतु कृषि वानिकी'' विषय पर विचार मंथन सत्र की अध्यक्षता की।

पटना में विचार मंथन सत्र की अध्यक्षता

- भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान में स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा भावी वैज्ञानिकों (अनुसंधान सहयोगी तथा वरिष्ठ अनुसंधान फेलो) को संबोधित किया तथा 12 अप्रैल, 2016 को मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन सोसायटी ऑफ एग्रोनोमी के हैदराबाद चैप्टर का उद्घाटन किया।

एन.डी.आर.आई., करनाल में आई.सी.ए.आर. इंस्टिट्यूशनल स्टाफ स्पोर्ट्स टुर्नामेंट नोर्थ जोन में प्रतिभागियों को सम्बोधन

- भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में 18 अप्रैल, 2016 को ''भा.कृ.अनु.प. इंटर-इंस्टिट्यूशनल स्टाफ स्पोर्ट टूर्नामेंट - नॉर्थ जोन'' के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
- भा.कृ.अनु.प. - खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर में 22 अप्रैल, 2016 को 28वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- भुवनेश्वर में 27 अप्रैल, 2016 को आयोजित आई.सी.ए.आर.-आई.आर.आर.आई. की सहयोगिक परियोजना ''अफ्रीका तथा दक्षिण एशिया के लिए स्ट्रैस सहिष्णुता वाले चावल'' पर एन्यूअल रिव्यू एण्ड प्लानिंग वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

एन्यूअल रिव्यू एण्ड प्लानिंग वर्कशॉप, हैदराबाद में उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि

- वंसतराव नायक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभनी में 18 मई, 2016 को स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- एन.डी.आर.आई., करनाल में टी-3 परीक्षा तथा नेट परीक्षा केन्द्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा तथा सी.आई.पी.एच.ई.टी., लुधियाना में ऑनलाइन नेट परीक्षा केन्द्र की व्यवस्थाओं की

समीक्षा 07-09 जुलाई, 2016 के दौरान की।

- डॉ. अमरीक सिंह चीमा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा चंडीगढ़ में 18 जुलाई, 2016 को आयोजित ''हरित क्रांति की स्वर्ण जयंती समारोह'' के उद्घाटन सत्र में की-नोट व्याख्यान दिया।
- एस.के.यू.ए.एस.टी., जम्मू में ऑनलाइन परीक्षा केन्द्र का दौरा किया एवं चर्चाएं की तथा जी.एन.डी.यू. एवं के.वी.के., अमृतसर का दौरा 10-13 अगस्त, 2013 के दौरान किया।
- के.वी.के., कैथल का दौरा किया तथा सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार में आल इंडिया व्हीट एवं बार्ले रिसर्च वरकर्स मीट में 21-22 अगस्त, 2016 के दौरान भाग लिया।
- मार इवानियोस महाविद्यालय, तिरूवनंतपुरम की शासी परिषद की बैठक में दिनांक 08 सितंबर, 2016 को भाग लिया।
- अजमेर में आयोजित ''राष्ट्रीय बीज वितरण किसान मेला एवं किसान गोष्ठी'' के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा माउंट आबू में कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में ब्रह्मकुमारी संगठन की गतिविधियों का दौरा 18-19 सितंबर, 2016 के दौरान किया।

अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा अजमेर में राष्ट्रीय बीज वितरण किसान मेला एवं किसान गोष्ठी का उद्घाटन

- भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय खारा जलजीव पालन संस्थान, चेन्नई तथा तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई का दौरा किया एवं वैज्ञानिकों से पारस्परिक चर्चाएं की। 04-05 अक्तूबर, 2016 के दौरान प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन से चौथे इंटरनेशनल एग्रोनोमी कांग्रेस के संदर्भ में चर्चा की।
- आगरा में 06 अक्तूबर, 2016 को आयोजित एक दिवसीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित हुए।
- कैथल-करनाल में 16-17 अक्तूबर, 2016 के दौरान रबी पूर्व किसान सम्मेलन तथा किसान एवं बीज दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- भा.कृ.अनु.प. - तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर में 20 अक्तूबर, 2016 को आयोजित 23वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

आगरा में पुरस्कार वितरण समारोह में माननीय गृह राज्य मंत्री श्री किरण रिजिजू तथा सचिव, राजभाषा विभाग, श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव द्वारा विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र का वितरण

कैथल में रबी पूर्व किसान सम्मेलन तथा किसान व बीज दिवस समारोह

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में 29 नवंबर, 2016 को आयोजित ''ट्रैंड्स इन नैनो बायोटेक्नोलॉजी (एनसीटीएन-2016)'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. द्वारा अनुश्ठानिक दीप प्रज्वलन

- सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में 12-13 दिसंबर, 2016 के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्रों की जोनल वर्कशॉप में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- एन.डी.आर.आई., करनाल में 29 दिसंबर, 2016 को आयोजित ''डेरी पालन में वैज्ञानिक हस्तक्षेप'' विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

पालमपुर में राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों को सम्बोधन

- भा.कृ.अनु.प. - सी.एस.डब्ल्यू.आर.आई., अविकानगर में 04 जनवरी, 2017 को आयोजित ''राष्ट्रीय भेड़ एवं ऊन मेला'' में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- बीकानेर में ''जलवायु अनुकूल लवणीय कृषि : आजीविका सुरक्षा की सततता'' विषय पर आयोजित 5वें राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा भा.कृ.अनु.प. -सी.आई.ए.एच., बीकानेर का दौरा किया।

बीकानेर में 5वें राष्ट्रीय सेमिनार के प्रतिभागियों को सम्बोधन

- जैसलमेर में आयोजित जागरूकता सम्मेलन-सह-उष्ट्र मेले में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।
- बीकानेर में 21-22 जनवरी, 2017 के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में ''वर्ष 2030 में मानव खाद्य आवश्यकताओं की

पूर्ति के लिए कृषि में मानव संसाधन के विकास के महत्व'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- जी.जी.एन. खालसा कॉलेज, लुधियाना में 30 जनवरी, 2017 को ''एग्रीकल्चरल ट्रैंड्स एण्ड टेकनोलॉजी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया एवं की-नोट व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- मार इवानियोस महाविद्यालय, तिरूवनंतपुरम में 13 फरवरी, 2017 को आयोजित शासी परिषद की बैठक में भाग लिया।

- कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 17 फरवरी, 2017 को ''जैवविविधता एवं पादप संसाधनों की सतत उपयोगिता'' विषय पर स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में की-नोट व्याख्यान दिया।
- हैदराबाद में 20 फरवरी, 2017 को सस्टैनिंग द् बायोफिजिकल कॉन्टैक्सट : क्लाइमेटिक/सॉयल कान्सट्रेन्ट्स विषय पर इंटर ड्रॉट सम्मेलन में भाग लिया तथा एक सत्र की सह-अध्यक्षता की।
- कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर में 21 फरवरी, 2017 को ''ग्रामीण आजीविका में सुधार हेतु सतत खाद्य प्रणालियों में नवोन्मेषी कृषि : युवा परिप्रेक्ष्य'' विषय पर दूसरे राष्ट्रीय युवा अधिवेशन में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया एवं एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

- ग्वालियर में 03 मार्च, 2017 को ''21वीं शताब्दी में चारा संसाधन तथा पशुधन उत्पादकता प्रबंधन में नई दिशाएं'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तथा पी.एम. दाबदगाव स्मारक व्याख्यान दिया।

अंतरराष्ट्रीय

- चियांग मेय, थाइलैंड में 07-13 नवंबर, 2016 के दौरान आयोजित आई.सी.आई.डी. के 67वीं आई.ई.सी. प्री सब-ग्रुप मीटिंग में, सतत निकासी पर कार्यदल के सदस्य (भारत) के रूप में भाग लिया।

डॉ. वी.एन. शारदा, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा विशेष व्याख्यान, तकनीकी दौरे तथा पारस्परिक चर्चाएं

- आई.सी.ए.आर.-सी.ए.एफ.आर.आई. के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थापना दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा आई.जी.एफ.आर.आई. एवं आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी. अनुसंधान केन्द्र, दतिया का दौरा 06-09 मई, 2016 के दौरान किया।
- आई.सी.ए.आर.- आई.आई.एस.डब्ल्यू.सी., देहरादून का दौरा किया तथा नेट-2016 (I) परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण 06-08 जुलाई, 2016 के दौरान किया।
- दिनांक 04-06 अगस्त, 2016 के दौरान भा.कृ.अनु.प.-सी.पी.आर.आई., शिमला का दौरा किया तथा नेट-2016 (I) परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया।
- आई.सी.ए.आर.-सी.आई.ए.ई., भोपाल में 30 नवंबर, 2016 को शीतकालीन सत्र का उद्घाटन किया एवं सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।
- दिनांक 18-22 जनवरी, 2016 के दौरान एस.के.आर.ए.यू., बीकानेर में द्विवार्षिक कार्यशाला का उद्घाटन किया एवं आई.सी.ए.आर.-सी.आई.ए.एच., बीकानेर का दौरा किया।
- 17-19 फरवरी, 2017 के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में ''मानव कल्याण के लिए क्ले साइंस का उपयोग'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन तथा 20वां वार्षिक अधिवेशन का उद्घाटन किया तथा आई.सी.ए.आर.-एन.बी.एस.एस.एल.यू.पी., नागपुर का दौरा किया।
- कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर में 22-23 फरवरी, 2017 के दौरान 13वीं एग्रीकल्चरल साइंस कांग्रेस में ''मिटिगेटिंग क्लाइमेट चेंज कार्बन सिक्वेस्ट्रेशन'' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि के रूप में सदस्य, कृवैचमं का सम्बोधन

- दिनांक 31 मार्च-04 अप्रैल, 2017 के दौरान आई.सी.ए.आर.-सी.सी.ए.आर.आई., गोवा में स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, धारवाड़ का दौरा किया।

प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव, सदस्य, कृ.वै.च.मं. द्वारा विशेष व्याख्यान, तकनीकी दौरे तथा पारस्परिक चर्चाएं

- एन.डी.आर.आई., करनाल में 23 फरवरी, 2017 को आयोजित डॉ. के. के. इया मेमोरियल ओरेशन अवार्ड समारोह की अध्यक्षता की।

- एन.डी.आर.आई., करनाल में 04 मार्च, 2017 को आयोजित दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की एवं छात्रों में मैडल एवं प्रमाणपत्र वितरित किए।

- एन.डी.आर.आई., करनाल में 18 मार्च, 2017 को आयोजित डॉ. सुन्दरेशन मेमोरियल ओरेशन अवार्ड समारोह की अध्यक्षता की।

15 प्रकाशन

मंडल के प्रकाशन

1. वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16 (हिंदी एवं अंग्रेजी)
2. अर्धवार्षिक कृ.वै.च.म. समाचार (हिंदी एवं अंग्रेजी)

अनुसंधान लेख

प्रसाद, राजेन्द्र, **सिंह, गुरबचन,** शिवाय, वाई. एस., पाठक, एच. 2016। ''नीड फॉर डिटरमाइनिंग इकोफ्रेंडली ऑप्टीमम फर्टीलाइजर नाइट्रोजन लेवल फॉर बेटर एनवाइरन्मेंट एण्ड फॉर एलिविएटिंग हंगर एण्ड मालन्यूट्रिशन''। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रोनॉमी. 61 (1) : 1.8

डागर, जे.सी, लाल, खजांची, राम, जीत, कुमार, मुकेश, चौधरी, एस.के., यादव, आर.के., अहमद, शरीफ, **सिंह, गुरबचन,** कौर, अमरिन्द्र, 2016। ''इक्यूलेप्टस जियोमेट्री इन एग्रोफॉरेस्ट्री ऑन वाटरलॉग्ड सेलाइन सोयल्स इनफ्लूएनसेस प्लांट एण्ड सोयल ट्रैएट्स इन नार्थ वेस्ट इंडिया''। एग्रीकल्चर, इकोसिस्टम्स एण्ड एनवाइरन्मेंट। 233 (2016) 33-42.

सिंह, गुरबचन. 2016। क्लाइमेट चेंज एण्ड फूड सेक्यूरिटी इन इंडिया : चैलेंजेस एण्ड अपर्च्यूनिटीस''। इरिगेशन एण्ड ड्रेनेज. 65:5-10 (2016)

पाल, सुरेश, शर्मा, राजवीर, शर्मा, एच. बी. एवं तोमर, जयबीर (2016)। बायो-एफिकेसी इवोल्यूएशन ऑफ डिफरेंट हर्बीसाइड्स एगेन्स्ट ब्रॉड लीव्ड एण्ड ग्रासीवीड्स इन कॉमन व्हीट (ट्रायटीकम एस्टीवम एल.) इकोलॉजी, एनवाइरन्मेंट एण्ड कंजर्वेशन 22 (जून सप्लीमेंट) : 2016 (एस17-एस21)।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का कार्यवृत्त

सिंह, गुरबचन. 2016। मानव संसाधन विकास और कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान में रोजगार। चौथे इन्टरनेशनल एग्रोनॉमी कांग्रेस के सोविनियर में, नई दिल्ली, 22-26 नवम्बर, 2016।

पोपुलर आर्टीकल्स

तिवारी, एस.के., मुरे, संन्ध्या, **पाल, सुरेश** एवं सुभाष बाबू (2016) अतिरिक्त आय के लिए ढींगरी खुम्ब की खेती, फल फूल (सितम्बर-अक्टूबर 2016): 13.17

पुस्तक अध्याय

सिंह, गुरबचन. 2016। क्लाइमेट रेजीलियंट एग्रोफारेस्ट्री सिस्टम्स। रेजीलियंट एग्रोनॉमी प्राक्टीसेस में।

डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा व्याख्यान

- दिनांक 18 मई, 2016 को वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ (वी.एन.एम.के.वी.), परभानी में ''कृषि में रोजगार के अवसर'' विषय पर अतिथि व्याख्यान।
- दिनांक 18 जुलाई, 2016 को डॉ. अमरीक सिंह चीमा फाउंडेशन ट्रस्ट चंडीगढ़ द्वारा आयोजित ''हरित क्रांति का स्वर्ण जयंती उत्सव'' के उद्घाटन समारोह में की-नोट व्याख्यान।
- दिनांक 30 जनवरी, 2017 को जी.जी.एन. खालसा महाविद्यालय, लुधियाना में ''कृषि रूझान एवं प्रौद्योगिकियां'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में की-नोट व्याख्यान।
- दिनांक 03 मार्च, 2017 को ''21वीं सदी में चारा संसाधनों तथा पशुधन उत्पादकता के प्रबंधन की नई दिशाएं : चुनौतियां एवं अवसर'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री पी. एम. दबादगाव स्मृति व्याख्यान।

परिशिष्ट–I

भा.कृ.अनु.प. सोसाइटी के नियमों व उपनियमों के प्रावधानों का उल्लेख

संविधान

नियम 25

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में पूर्णकालिक एक अध्यक्ष तथा दो सदस्य होंगे, जिनकी नियुक्ति भारत सरकार के अनुमोदन से अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

25 (अ) यदि अध्यक्ष पद रिक्त हो जाता है या अनुपस्थिति के कारण या किसी अन्य कारण से कार्य हेतु उपस्थित न हो पाने से इन कर्तव्यों का, जब तक नियम 25 के तहत अन्य व्यक्ति को रिक्त पद पर नियुक्त नहीं किया जाता या कार्य के लिए उपस्थित होने तक, जो भी मामला हो, जब तक अध्यक्ष अपना कार्यभार नहीं संभालते या नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होती तब तक अन्य सदस्य कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे जिन्हें भा.कृ.अनु.प. के अध्यक्ष नियुक्त करेंगे।

25 (ब) अध्यक्ष कृ.वै.च.मं. का कार्यकाल 7 वर्ष एवं कृ.वै.च.मं. के अन्य सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होंगे जिस दिन से वे कार्यभार ग्रहण करेंगे या जब तक वे 65 वर्ष आयु के न हो जाएंगे, जो पहले होगा।

25 (स) (i) नीचे दिए गए प्रावधानों के अनुसार कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष या अन्य सदस्यों को अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. के आदेश से ही गलत आचरण के आधार पर तब ही निकाला जा सकता है जब अध्यक्ष द्वारा शासी निकाय के पास मामला लाने पर उसके द्वारा तीन सदस्यों की एक उच्च अधिकार समिति द्वारा न्यायिक सिद्धांतों के जांच की गई हो तथा अध्यक्ष या अन्य सदस्य हों, जिनका भी मामला हो, अपदस्थ करने के आधार पाए गए हों।

उपर्युक्त मामलों के अलावा कृ.वै.च.मं. के अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष के आदेश से अपदस्थ किया जा सकता है यदि:

(अ) दिवालिया घोषित होता है तो या

(ब) अपने कार्यालयीन दायित्वों से अलग भुगतान पर किसी रोजगार से संलिप्त हों तो या

(स) अध्यक्ष की दृष्टि से यदि मन या शरीर की दुर्बलता के कारण कार्यालय में कार्य करने में अक्षम हैं तो

25 (स) (ii) अध्यक्ष लिखित आदेश द्वारा जैसा उचित समझते हैं अपने अधिकारों को कृ.वै.च.मं. के किसी अन्य सदस्य को सौंप सकते हैं।

कार्य

नियम 26

(अ) चयन मंडल एक स्वतंत्र चयन एजेन्सी जैसा कार्य करेगा और इसका दायित्व होगा कि कृषि अनुसंधान सेवा के पदों तथा समय समय पर अध्यक्ष द्वारा सौंपे गए अन्य पदों एवं सेवाओं का चयन करना।

(ब) चयन मंडल अध्यक्ष द्वारा अपेक्षित पदोन्नतियों सहित अन्य कार्मिक मामलों में परिषद् को सहायता करेगा।

(स) चयन मंडल, परिषद् द्वारा नियुक्त या चयन मंडल के परामर्श से नियुक्त कर्मियों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों में परिषद को सलाह देगा।

(द) चयन मंडल प्रत्येक वर्ष वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् मई माह के दूसरे सप्ताह तक अपनी गतिविधियों से संबंधित रिपोर्ट अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा

भर्ती नियम

नियम 73

परिषद के विभिन्न पदों पर नियुक्तियां परिषद द्वारा अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. या कोई अन्य सदस्य जिन्हें नियम 25(स) (ii) के अंतर्गत अधिकार दिए गए हों, के परामर्श से बनाए गए तथा शासी निकाय व अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित भर्ती नियमों के आधार पर करेगा।

चयन समितियां, साक्षात्कार मंडलों का गठन

उपनियम 24

परिषद के विभिन्न पदों से संबंधित पदोन्नतियों, चयन, नियुक्तियों या संबंधित अन्य किसी मामलों के लिए समितियों, बोर्ड या अन्य निकायों का गठन अध्यक्ष, कृ.वै.च.मं. या उनके द्वारा अधिकृत एवं अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. द्वारा अनुमोदित अन्य किसी सदस्य के परामर्श से किया जाएगा।

उत्कृष्ट (एमीनेंट) वैज्ञानिकों की नियुक्ति/ साईंटिस्ट प्लेसमेंट स्कीम

उपनियम 26

महानिदेशक स्वयं या संस्थानों के निदेशकों या कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की सलाह से किसी उत्कृष्ट वैज्ञानिक को योग्यता एवं अनुभव के आधार पर उपयुक्त ग्रेड में नियुक्ति हेतु कृ.वै.च.मं. की सहमति एवं अध्यक्ष के अनुमोदन से आमंत्रित कर सकते हैं।

■

परिशिष्ट–II

2016–17 के दौरान कृ.वै.च.म. की प्राप्तियां एवं व्यय

क	प्राप्तियां		राशि (लाख में)
	आवेदन एवं परीक्षा शुल्क		296.88
ख	**खर्च**	**गैर-योजना**	**योजना**
	वेतन	472.86	
	मजदूरी (संविदा कार्मिक)	97.19	
	समयोपरि भत्ता (ओटीए)	0.10	
	यात्रा खर्च (देश/विदेश में)	16.28	
	कार्यालय खर्च	369.67	
	परीक्षा एवं नियुक्ति/भर्ती पर व्यय		
(क)	यात्रा/मानदेय खर्च (विषेषज्ञ, सलाहकार एवं अभ्यर्थी)	146.12	
(ख)	अन्य खर्चे	0	192.33
	कुल गैर योजना खर्च	**1102.22**	
	कुल योजना खर्च	**192.33**	
	कुल योग (गैर-योजना तथा योजना)	**1294.55**	

परिशिष्ट–III

पिछले पांच वर्षों में बोर्ड के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण

	कार्य का विवरण	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
क.	परीक्षाओं द्वारा भर्ती					
	आयोजित परीक्षाओं की संख्या	*02	**06	#07	+04	@06
	पदों की संख्या	431	506	640	130	107***
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	45,801	41,976	1,07,862	52,423	1,16,690
	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	745	1104	706	256	363
	भारत में परीक्षा आयोजित किए गए केन्द्रों की संख्या	33	33	23	23	27
ख.	साक्षात्कार/सीधी भर्ती द्वारा भर्ती					
	साक्षात्कार लिए गए पदों की संख्या	97	508	143	189	55
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	1505	4050	1741	2555	924
	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	683	1592	759	1020	438
	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	442	1081	570	781	331
ग.	नेट उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	1845	2591	6937	4148	3803
घ.	मूल्यांकित वैज्ञानिकों की संख्या (सीएएस)	749	255	245	257	177
ड.	पंचवर्षीय मूल्यांकन	11	0	1	-	-
च.	एआरएस में प्रवेश	1	0	1	-	-

*1. एआरएस तथा नेट प्रारंभिक परीक्षा 2012 ।

**2. एआरएस एवं नेट प्रारंभिक परीक्षा 2013, एआरएस मुख्य परीक्षा तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय हेतु सहायक, निजी सचिव एवं अनुभाग अधिकारी के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2013।

#3. एआरएस एवं नेट प्रारंभिक परीक्षा 2014, एआरएस मुख्य परीक्षा, प्रशासनिक एवं वित्त व लेखा अधिकारी परीक्षा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सहायक परीक्षा 2014 तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय हेतु सहायक, निजी सचिव एवं अनुभाग अधिकारी के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2014।

+4. सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी परीक्षा, नेट एवं एआरएस 2015 (प्रारम्भिक) परीक्षा, सहायक (डीआर) मुख्य परीक्षा एवं अपर श्रेणी लिपिक हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2015।

@5. एआरएस 2015 (मुख्य परीक्षा), नेट 2016 (1) परीक्षा, तकनीकी सहायक (टी–3) एवं तकनीशियन (टी–1) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा एवं सहायक एवं उच्च श्रेणी लीपिक के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2016

*** तकनीकी सहायक (टी–3) एवं तकनीशियन (टी–1) के पदों की संख्या शामिल नहीं की गई है।

परिशिष्ट-IV (अ)

नेट 2016 (I) में विषयवस्तुवार सफल उम्मीदवार

क्र.सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत उम्मीदवार	उपस्थित हुए उम्मीदवार	उत्तीर्ण उम्मीदवार
1	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	4115	2740	424
2	कृषि कीटविज्ञान	1379	936	37
3	कृषि सूक्ष्मजैविकी	1845	1271	665
4	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप आनुवंशिकी संसाधन	368	221	7
5	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1491	1019	2
6	सूत्रकृमि विज्ञान	124	83	26
7	पादप जैव रसायनिकी	604	394	1
8	पादप रोग विज्ञान	1246	828	129
9	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	838	554	24
10	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	281	192	52
11	पुष्पविज्ञान एवं बागवानी	304	206	98
12	फल विज्ञान	879	608	123
13	मसाले, रोपण एवं औषधीय एवं सुगंधीय पादप	175	116	26
14	सब्जी विज्ञान	892	617	366
15	पशु जैवरसायनिकी	231	154	14
16	पशु जैवप्रौद्योगिकी	441	307	41
17	पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन	151	104	14
18	पशु पोषण	203	169	137
19	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	167	131	24
20	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	182	137	46
21	डेरी रसायनशास्त्र	35	27	2
22	डेरी सूक्ष्मजैविकी	37	23	5
23	डेरी प्रौद्योगिकी	150	116	11
24	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	91	68	21
25	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	285	196	31
26	कुक्कुट विज्ञान	55	39	17
27	पशु चिकित्सा औषध	231	176	44
28	पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	168	121	34
29	पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान	77	58	33
30	पशु चिकित्सा रोग विज्ञान	180	134	54
31	पशुचिकित्सा औषध विज्ञान	119	91	9
32	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य	106	82	34
33	पशु शल्य चिकित्सा	212	173	78
34	जलजीव पालन	336	247	6

क्र.सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत उम्मीदवार	उपस्थित हुए उम्मीदवार	उत्तीर्ण उम्मीदवार
35	मत्स्य संसाधन प्रबंधन	195	133	20
36	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	136	102	21
37	मत्स्य पोषण	32	20	5
38	मत्स्य स्वास्थ्य	44	33	3
39	मत्स्य आनुवांशिकी एवं प्रजनन	39	30	13
40	कृषि रसायन	80	50	2
41	कृषि मौसम विज्ञान	183	133	29
42	कृषिवानिकी	466	339	101
43	सस्य विज्ञान	1737	1256	114
44	पर्यावरण विज्ञान	1034	675	76
45	मृदा विज्ञान	1138	815	203
46	कृषि व्यापार प्रबंधन	414	271	6
47	कृषि आर्थिकी	697	494	5
48	कृषि विस्तार	1070	766	200
49	कृषि सांख्यिकी एवं सूचना विज्ञान	329	230	2
50	गृह विज्ञान	362	240	3
51	फार्म मशीनरी एवं पावर	311	252	126
52	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	22	18	2
53	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	496	363	25
54	कृषि प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	418	310	66
55	खाद्य प्रौद्योगिकी	1304	919	141
56	पशुचिकित्सा शरीर-रचना विज्ञान	53	41	5
कुल		**28,558**	**19,828**	**3803**

परिशिष्ट-IV(ब)

एआरएस 2015 में विषयवस्तुवार सफल उम्मीदवार

क्र. सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत उम्मीदवार	उपस्थित हुए उम्मीदवार	उत्तीर्ण उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार
1	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	3494	2301	172	144	20
2	कृषि कीटविज्ञान	763	535	130	97	15
3	कृषि सूक्ष्मजैविकी	927	554	43	35	6
4	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1056	771	199	170	26
5	सूत्रकृमि विज्ञान	74	52	12	11	5
6	पादप जैव रसायनिकी	462	325	80	62	14
7	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	170	126	43	34	5
8	फल विज्ञान	290	214	43	39	5
9	मसाले, रोपण एवं औषधीय एवं सुगंधीय पादप	156	115	54	40	11
10	सब्जी विज्ञान	279	201	43	35	5
11	पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन	100	82	43	30	5
12	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	72	58	28	18	5
13	कुक्कुट विज्ञान	71	52	30	22	5
14	पशुचिकित्सा जनस्वास्थ्य	119	99	42	29	10
15	जलजीव पालन	253	179	83	61	10
16	मत्स्य संसाधन प्रबंधन	148	108	48	36	10
17	कृषि रसायन	17	9	1	1	1
18	कृषि मौसम विज्ञान	35	28	7	6	5
19	कृषिवानिकी	308	225	61	48	7
20	सस्य विज्ञान	1063	835	240	188	35
21	पर्यावरण विज्ञान	715	479	45	41	5
22	मृदा विज्ञान	877	711	263	207	51
23	कृषि व्यापार प्रबंधन	189	131	29	22	5
24	कृषि आर्थिकी	504	394	130	103	35
25	कृषि विस्तार	662	540	139	107	21
26	कृषि सांख्यिकी एवं सूचना विज्ञान	312	214	59	53	2
27	फार्म मशीनरी एवं पावर	178	139	29	27	10
28	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	32	27	8	8	4
29	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	312	237	54	42	10
30	कृषि प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	253	195	59	48	15
		13891	**9936**	**2217**	**1764**	**363**

परिशिष्ट–V

सीधी भर्ती 2016-17

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक									
1.	01/2016	2	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, बारामती	20.07.2016	18	12	9	चयनित	21.07.2016
	01/2016	1	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई	16.09.2016	11	4	4	चयनित	19.09.2016
सहायक महानिदेशक									
3.	01/2016	4	सहायक महानिदेशक (बागवानी विज्ञान.II), भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, नई दिल्ली	19.07.2016	39	12	8	चयनित	19.07.2016
4.	01/2016	3	सहायक महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, नई दिल्ली	03.08.2016	19	6	4	चयनित	03.08.2016
निदेशक									
5.	01/2016	10	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट, केरल	28.06.2016	7	4	4	चयनित	28.06.2016
6.	01/2016	14	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)	30.06.2016	12	8	6	चयनित	30.06.2016
7.	01/2016	17	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय कृषि उपयोगी कीट ब्यूरो, बैंगलोर (कर्नाटक)	12.07.2016	13	7	7	चयनित	12.07.2016
8.	01/2016	15	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, तिरूचिरापल्ली (तमिलनाडु)	13.07.2016	13	9	5	चयनित	13.07.2016
9.	01/2016	5	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय अंतस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता	21.07.2016	13	5	5	चयनित	25.07.2016
10.	01/2016	6	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक, ओडिशा	22.07.2016	24	11	9	चयनित	22.07.2016
11.	01/2016	8	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	25.07.2016	9	6	5	चयनित	25.07.2016

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
12.	01/2016	16	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	26.07.2016	26	10	8	चयनित	26.07.2016
13.	01/2016	19	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ (उ.प्र.)	27.07.2016	13	8	7	चयनित	27.07.2016
14.	01/2016	12	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय पादप आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली	28.07.2016	38	12	8	चयनित	28.07.2016
15.	01/2016	9	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	29.07.2016	26	12	11	चयनित	29.07.2016
16.	01/2016	7	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	01.08.2016	26	11	10	चयनित	01.08.2016
17.	01/2016	13	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	06.09.2016	33	13	10	चयनित	07.09.2016
18.	01/2016	18	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – राष्ट्रीय पशुचिकित्सा महामारी विज्ञान एवं रोग सूचना संस्थान, बैंगलोर (कर्नाटक)	16.09.2016	20	11	11	चयनित	19.09.2016
19.	01/2016	11	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	23.09.2016	30	14	7	चयनित	23.09.2016
20.	02/2016	54	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	14.03.2017	20	9	7	चयनित	14.03.2017
21.	02/2016	49	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, तिरूवनंतपुरम	15.03.2017	7	5	5	चयनित	15.03.2017
22.	02/2016	50	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – कृषि प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना	21.03.2017	28	12	9	चयनित	22.03.2017
23.	02/2016	51	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – कृषि प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पुणे	22.03.2017	49	14	9	चयनित	22.03.2017
24.	02/2016	52	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – कृषि प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	23.03.2017	37	14	10	चयनित	27.03.2017
25.	02/2016	53	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – कृषि प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कोलकता	24.03.2017	52	16	11	चयनित	27.03.2017
26.	02/2016	47	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. – प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे	29.03.2017	22	10	10	चयनित	30.03.2017

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
27.	02/2016	48	निदेशक, भा.कृ.अनु.प. - राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, ताबीजी, अजमेर	30.03.2017	26	10	8	चयनित	31.03.2017
राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक									
28.	01/2016	20	संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक), भा.कृ.अनु.प. - भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	20.09.2016	31	13	11	चयनित	20.09.2016
29.	01/2016	21	संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भा.कृ.अनु.प. - भारतीय कृषि जैवप्रौद्योगिकी संस्थान, रांची	22.09.2016	11	5	1	चयनित	23.09.2016
राष्ट्रीय संस्थानों को छोड़कर अन्य संस्थानों के संयुक्त निदेशक									
30.	01/2016	23	संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के अधीन भा.कृ.अनु.प.- सीपीआरआई कैम्पस, मोदीपुरम	16.08.2016	12	10	6	चयनित	16.08.2016
31.	01/2016	22	संयुक्त निदेशक, पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर, उमियम के अधीन पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. का अनुसंधान परिसर, त्रिपुरा	19.08.2016	32	14	8	चयनित	26.08.2016
परियोजना समन्वयक									
32.	01/2016	26	परियोजना समन्वयक (गन्ना), भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	17.08.2016	17	11	9	चयनित	19.08.2016
33.	01/2016	24	परियोजना समन्वयक (लंबी अवधि उर्वरक परीक्षण), भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	18.08.2016	6	4	3	चयनित	26.08.2016
34.	01/2016	25	परियोजना समन्वयक (एर्गोनामिक्स तथा कृषि में सुरक्षा), भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	22.08.2016	5	2	2	चयनित	26.08.2016
35.	02/2016	55	परियोजना समन्वयक (कृषि मौसम विज्ञान), भा.कृ.अनु.प. -केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	14.02.2017	8	5	4	चयनित	15.02.2017
36.	02/2016	56	परियोजना समन्वयक (कदन्न), भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय, कृषि भवन, नई दिल्ली के अधीन बाजरे पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, प्रादेशिक अनुसंधान केन्द्र, मन्डोर, जोधपुर	01.03.2017	6	4	3	चयनित	02.03.2017

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
प्रभागाध्यक्ष									
37.	01/2016	28	अध्यक्ष, डेरी मवेशी कार्यिकी प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	17.08.2016	7	5	5	चयनित	24.08.2016
38.	01/2016	29	अध्यक्ष, कृषि व्यापार प्रबंधन प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	18.08.2016	10	7	6	चयनित	29.08.2016
39.	01/2016	30	अध्यक्ष, विस्तार प्रणाली प्रबंधन प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	18.08.2016	10	6	5	चयनित	29.08.2016
40.	01/2016	33	अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क बागवानी अनुसंधान संस्थान, बागवानी के अधीन केन्द्रीय बागवानी परीक्षण स्टेशन (सी.एच.ई.एस.), वेजालपुर, गोधरा	19.08.2016	4	3	2	चयनित	24.08.2016
41.	01/2016	34	अध्यक्ष, फसल संरक्षण प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय जूट एवं सम्बद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	19.08.2016	5	3	1	चयनित	24.08.2016
42.	01/2016	35	अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के अधीन सी.ए.जेड.आर.आई. प्रादेशिक अनुसंधान केन्द्र, लेह (लद्दाख)	22.08.2016	2	1	1	चयनित	29.08.2016
43.	01/2016	31	अध्यक्ष, कृषि प्रणाली प्रबंधन प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	23.08.2016	12	10	8	चयनित	29.08.2016
44.	01/2016	32	अध्यक्ष, मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन एवं एग्जोटिक्स प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	23.08.2016	3	3	2	चयनित	29.08.2016
45.	02/2016	61	प्रभागाध्यक्ष, प्रादेशिक केन्द्र बेल्लारी, भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून	13.02.2017	4	4	3	चयनित	15.02.2017
46.	02/2016	62	प्रभागाध्यक्ष, सामाजिक–आर्थिक एवं विस्तार प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–पूर्वी क्षेत्र के लिए अनुसंधान परिसर, पटना	13.02.2017	5	3	1	चयनित	15.02.2017

क्र. सं.	विज्ञापन संख्या	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजने की तिथि
47.	02/2016	57	प्रभागाध्यक्ष, आई.ए.आर.आई. प्रादेशिक केन्द्र, पुणे, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	27.02.2017	18	11	3	चयनित	28.02.2017
48.	02/2016	58	प्रभागाध्यक्ष, आई.ए.आर.आई. प्रादेशिक केन्द्र, करनाल, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	27.02.2017	22	12	7	चयनित	01.03.2017
49.	02/2016	59	प्रभागाध्यक्ष, सी.टी.आर.आई. प्रादेशिक केन्द्र, हंसूर (कर्नाटक), भा.कृ.अनु.प. -केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुंद्री	01.03.2017	3	3	2	चयनित	02.03.2017
प्रधान वैज्ञानिक									
50.	01/2016	37	प्रधान वैज्ञानिक (कृषि अनुसंधान प्रबंधन), भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	16.08.2016	14	6	5	चयनित	24.08.2016
51.	01/2016	39	प्रधान वैज्ञानिक (विस्तार सूचना प्रणाली), भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	16.08.2016	10	6	6	चयनित	26.08.2016
52.	01/2016	38	प्रधान वैज्ञानिक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	17.08.2016	7	3	3	चयनित	26.08.2016
53.	01/2016	40	प्रधान वैज्ञानिक (प्रौद्योगिकी प्रबंधन), भा.कृ.अनु.प. -राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश)	17.08.2016	16	9	8	चयनित	29.08.2016

परिशिष्ट-VI

पदों का विवरण जिन पर भर्ती नहीं हो सकी 2016-17

क्र. सं.	विज्ञापन सं.	मद सं.	पद का नाम	साक्षात्कार तिथि	आवेदकों की संख्या	आमंत्रित उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	चयनित	परिषद को सिफारिश भेजी गई
परियोजना समन्वयक									
1	01/2016	27	परियोजना समन्वयक (तिल एवं नाइजर) तिल पर एआईसीआरपी, जे. एन. कृषि विश्वविद्यालय कैम्पस, जबलपुर, मुख्यालय भा.कृ.अनु.प., कृषि भवन, नई दिल्ली।	16.08.2016	8	6	6	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	17.08.2016
प्रादेशिक केन्द्र के अध्यक्ष									
2	01/2016	36	अध्यक्ष, भा.कृ.अनु.प. - राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर के अधीन एन.बी.एस.एस. एवं एल.यू.पी. प्रादेशिक केन्द्र उदयपुर	22.08.2016	5	4	3	कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं	29.08.2016

परिशिष्ट-VII

वर्ष 2016-17 के दौरान भा.कृ.अनु.प. के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले

क्र. सं.	विषयक्षेत्र	साक्षात्कार की तिथि	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवार
1.	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	19.01.2017	1
2.	पादप कार्यिकी	19.01.2017	3
3.	जैवप्रौद्योगिकी (पीएस)	19.01.2017	3
4.	जैवरसायनिकी (पीएस)	19.01.2017	6
5.	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	23.01.2017	4
6.	फार्म मशीनरी एवं पावर	23.01.2017	4
7.	मृदा भौतिकी एवं मृदा जल संरक्षरण	23.01.2017	1
8.	सूत्रकृमि विज्ञान	24.01.2017	1
9.	सूक्ष्मजैविकी (पीएस)	24.01.2017	3
10.	कृषि कीट विज्ञान	24.01.2017	7
11.	सस्य विज्ञान	24.01.2017	7
12.	मृदा रसायन/उर्वरता/सूक्ष्म जैविकी	24.01.2017	8
13.	कृषि में कम्प्यूटर अनुप्रयोग	25.01.2017	5
14.	कृषि सांख्यिकी	25.01.2017	5
15.	कृषि संरचना एवं प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	25.01.2017	4
16.	कृषि विस्तार	25.01.2017	3
17.	कृषि आर्थिकी	27.01.2017	3
18.	कृषि जैवसूचना	27.01.2017	1
19.	जैविक रसायनिकी	27.01.2017	1
20.	वानिकी	27.01.2017	1
21.	कृषि मौसम विज्ञान	27.01.2017	1
22.	गृह विज्ञान विस्तार	30.01.2017	1
23.	परिवार संसाधन प्रबंधन	30.01.2017	1
24.	खाद्य एवं पोषण	30.01.2017	1
25.	कृषि रसायनिकी	30.01.2017	1
26.	मृदा विज्ञान एवं भूमि विज्ञान	30.01.2017	1
27.	पादप रोग विज्ञान	01.02.2017	13
28.	पादप प्रजनन	02.02.2017	18
29.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान	07.02.2017	4
30.	बीज प्रौद्योगिकी	07.02.2017	7
31.	डेयरी प्रौद्योगिकी	09.02.2017	1
32.	कुक्कुट विज्ञान	09.02.2017	1
33.	सूक्ष्मजीव विज्ञान (एएस)	09.02.2017	1
34.	पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन	09.02.2017	2
35.	पशु प्रजनन एवं मादारोग विज्ञान	09.02.2017	2
36.	पशु प्रजनन	09.02.2017	2

क्र. सं.	विषयक्षेत्र	साक्षात्कार की तिथि	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवार
37.	पशु पोषण	09.02.2017	5
38.	मत्स्य संसाधन प्रबंधन	10.02.2017	1
39.	मत्स्य आनुवांशिकी एवं प्रजनन	10.02.2017	1
40.	मत्स्य एवं मात्स्यिकी विज्ञान	10.02.2017	3
41.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	13.02.2017	1
42.	पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी	13.02.2017	1
43.	जैवरसायनिकी (एएस)	13.02.2017	1
44.	पशुचिकित्सा शल्य	13.02.2017	1
45.	पशुचिकित्सा औषधी	13.02.2017	1
46.	बागवानी	14.02.2017	12
47.	पशु कार्यिकी	14.02.2017	6
48.	जैव प्रौद्योगिकी (एएस)	14.02.2017	6
49.	मत्स्य स्वास्थ्य	27.02.2017	1
50.	जलजीव पालन	27.02.2017	1
51.	पशुचिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	28.02.2017	8
	कुल		**177**

परिशिष्ट–VIII

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2016-17) का गठन किया गया है

क्र. सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
1.	**कृषि शिक्षा**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी	2
ii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान	1
2.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान	2
ii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान	2
iii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय जूट एवं सम्बद्ध रेशा प्रौद्योगिकी संस्थान	2
iv)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय सस्योत्तर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान	1
v)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान	1
3.	**पशु विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान	2
ii)	भा.कृ.अनु.प.– कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय	2
iii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो	2
iv)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केन्द्र	2
v)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान	1
vii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशु पोषण एवं शरीर क्रिया विज्ञान संस्थान	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान	1
x)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र	1
xi)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र	1
4.	**फसल विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	3
ii)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान	3
iii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्योरो	3
iv)	भा.कृ.अनु.प.–गन्ना प्रजनन संस्थान	3
v)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान	2
vi)	भा.कृ.अनु.प.–मूंगफली अनुसंधान निदेशालय	2
vii)	भा.कृ.अनु.प.–तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय	2
viii)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान	2
ix)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बीज विज्ञान संस्थान	2
x)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान	2
xi)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान	2

क्र. सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
xii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो	2
xiii)	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	2
xiv)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान	1
xv)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय जूट एवं सम्बद्ध रेशा अनुसंधान संस्थान	1
xvi)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान	1
xvii)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान	1
xviii)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो	1
5.	**कृषि विस्तार**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.– कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	1
6.	**मात्स्यिकी विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान	3
ii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान	2
iii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय अंत:स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान	1
iv)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान	1
v)	भा.कृ.अनु.प.–शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान निदेशालय	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो	1
7.	**बागवानी विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान	4
ii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान	2
iii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान	2
iv)	भा.कृ.अनु.प.–काजू अनुसंधान निदेशालय	2
v)	भा.कृ.अनु.प.–औषधीय एवं सुगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय	2
vi)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय केला अनुसंधान संस्थान	2
vii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शीतोषण बागवानी संस्थान	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान	1
x)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान	1
xi)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान	1
xii)	भा.कृ.अनु.प.–पुष्प अनुसंधान निदेशालय	1
xiii)	भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय	1
xiv)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान	1
xv)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान	1
xvi)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र	1
8.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
i)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय वानिकी अनुसंधान संस्थान	3
ii)	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान	3
iii)	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान	2
iv)	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वी क्षेत्र के लिए अनुसंधान परिसर	2
v)	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार विज्ञान अनुसंधान निदेशालय	2
vi)	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान	2

क्र. सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
vii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.-पूर्वोत्तर पर्वतीय क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर	1
x)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान	1
xi)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान	1
9.	**भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय**	3
	कुल	**119**

परिशिष्ट-IX

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट हेतु विभागीय पदोन्नति समितियों (2016-17) का गठन किया गया है

क्र. सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
1.	**कृषि शिक्षा**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान	2
2.	**कृषि अभियांत्रिकी**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय जूट एवं सम्बद्ध रेशा प्रौद्योगिकी संस्थान	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय सस्योत्तर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान	1
3.	**पशु विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय पशु पोषण एवं शरीर क्रिया विज्ञान संस्थान	1
iv)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान	1
v)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय ऊट्र अनुसंधान केन्द्र	1
vii)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय याक अनुसंधान केन्द्र	1
x)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान	2
4.	**फसल विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय	1
iv)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान	1
v)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान	1
vii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान	1
x)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान	1
xi)	भा.कृ.अनु.प.-गन्ना प्रजनन संस्थान	2
xii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान	2
xiii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान	2
xiv)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	3

क्र. सं.	संस्थान	समितियों की संख्या
5.	**कृषि विस्तार**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, लुधियाना	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, उमियम	1
6.	**मात्स्यिकी विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय अंत:स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान	1
iv)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान	1
v)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान	1
vii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन संस्थान	1
7.	**बागवानी विज्ञान**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-काजू अनुसंधान निदेशालय	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-औषधीय एवं सुगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय केला अनुसंधान संस्थान	1
iv)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान	1
v)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.-पुष्प अनुसंधान निदेशालय	1
vii)	भा.कृ.अनु.प.-प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय तेल ताड़ अनुसंधान संस्थान	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र	1
x)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय नींबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान	1
xi)	भा.कृ.अनु.प.-खुंब अनुसंधान निदेशालय	1
xii)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान	1
xiii)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र	1
xiv)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र	1
xv)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान	2
8.	**प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन**	
i)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय वानिकी अनुसंधान संस्थान	1
ii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान	1
iii)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान	1
iv)	भा.कृ.अनु.प.-पूर्वी क्षेत्र के लिए अनुसंधान परिसर	1
v)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान	1
vi)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान	1
vii)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान	1
viii)	भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान	1
ix)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान	1
x)	भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो	1
xi)	भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान	2
9.	**भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय**	**2**
	कुल	**76**

परिशिष्ट–X

वर्ष 2016–17 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या

क्र.सं.	पद	स्वीकृति	स्थिति 31.3.2017	खाली/ अतिरिक्त
1.	अध्यक्ष	1	1	–
2.	सदस्य	2	2	1
3.	सचिव/निदेशक	1	1	–
4.	प्रधान वैज्ञानिक	1	–	1
5.	परीक्षा नियंत्रक	1	1	–
6.	उपसचिव	2	2	–
7.	अवर सचिव	1	1	–
8.	प्रधान निजी सचिव	3	2	1
9.	अनुभाग अधिकारी	7	7	–
10.	सहायक वित्त व लेखा अधिकारी	1	1	–
11.	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी/ मुख्य तकनीकी अधिकारी	2	2	–
12.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	3	–	3
13.	निजी सचिव	2	2	–
14.	उपनिदेशक (रा.भा)	1	1	–
15.	वरिष्ठ तकनीकी सहायक (कम्प्यूटर)	1	1	–
16.	निजी सहायक/आशुलिपिक	5	1	4
17	खजांची (कैशियर)	1	–	1
18.	सहायक	16	14	2
19.	उच्च श्रेणी लिपिक	10	5	5
20.	निम्न श्रेणी लिपिक	4	–	4
21.	हिन्दी आशुलिपिक ग्रेड-II	1	–	1
22.	वाहन चालक	3	1	2
23.	कुशल सहायक कर्मचारी	15	3	12
	कुल	**84**	**48**	**36**

परिशिष्ट-XI

कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृत्तियां इत्यादि)

नियुक्तियां/कार्यभार ग्रहण

- श्री राजेश कुमार सरोया, सहायक ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर अप्रैल, 2016 के दौरान कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री एस.एस. डोगरा, उच्च श्रेणी लिपिक ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 20 मई, 2016 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री नरेन्द्र कुमार, उच्च श्रेणी लिपिक ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 25 मई, 2016 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री धीरज सिंह, उच्च श्रेणी लिपिक ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 01 जून, 2016 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री महादेव पाल, उच्च श्रेणी लिपिक ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 16 जून, 2016 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव ने 31 जनवरी, 2017 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण किया। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण करने से पूर्व प्रो. ए. के. श्रीवास्तव 2008-17 के दौरान राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के निदेशक पद पर कार्यरत थे। उन्होंने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू के पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन संकाय के संकाय अध्यक्ष, तत्पश्चात डायरेक्टर रेसीडेंस इंस्ट्रक्शन्स एवं संकाय अध्यक्ष, पोस्ट ग्रेजुएट स्टडी तथा पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में औषधि विज्ञान एवं विष विज्ञान, विभाग के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होनें अन्तराष्ट्रीय पुरस्कार सहित बहुत से पुरस्कार-एन.ओ.सी.आई.एल. पुरस्कार, एलारसिन पुरस्कार, आई.सी.ए.आर. जवाहरलाल नेहरु पुरस्कार एवं डी.ए.ए.डी. फैलोशिप प्राप्त किए हैं। उन्होने बहुत से अनुसंधान लेख एवं किताबें लिखी हैं।

- श्रीमती सीमा बम्मी, प्रधान निजी सचिव ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 22 मार्च, 2017 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्रीमती सीमा, निजी सचिव ने भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय से स्थानांतरण पर 23 मार्च, 2017 को कृ.वै.च.मं. में कार्यभार ग्रहण किया।

पदोन्नतियां/स्थानांतरण

- श्री सुजीत वर्मा, सहायक, कृ.वै.च.मं. का चयन 29 जुलाई, 2016 को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में हुआ।
- श्री सुखपाल सिंह, उच्च श्रेणी लिपिक, कृ.वै.च.मं. को 04 अगस्त, 2016 को सहायक पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई।

अधिवार्षिता/सेवानिवृत्ति

सेवानिवृत्ति

- श्री जगत नारायण, कुशल सहायक कर्मचारी 30 सितंबर, 2016 को अधिवार्शिता पर सेवानिवृत्त हुए।

मंडल द्वारा श्री जगत नारायण का अधिवार्षिता पर सम्मान

शोक संदेश

मृत्यु लेख /निधन सूचना

प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. नीलमराजू गंगा प्रसाद राव का निधन हैदराबाद में 27 जुलाई, 2016 को हुआ। उनकी आयु 89 वर्ष थी। डॉ. राव को अनेक बरानी फसलों के प्रजनन तथा सस्य विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक एवं अनुप्रायोगिक अनुसंधान के लिए जाना जाता था। भारत में ज्वार सुधार के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें अक्सर ''फादर ऑफ हाइब्रिड सोरगम'' कहा जाता है। उनके प्रयासों के कारण ज्वार के संकर किस्म सीएसएच1, सीएसएच 5 तथा सीएसएच 9 काफी लोकप्रिय हुए और उनकी खेती 8 से 10 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती थी।

भारत की बरानी खेती में खरीफ ज्वार ने महत्वपूर्ण बदलाव दर्शाया है। संकर ज्वार उगाए जाने से बड़े पैमाने पर ज्वार बीज उद्योग का विकास हुआ। ज्वार का एक उन्नत किस्म एस 35 पश्चिमी अफ्रीका के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में काफी लोकप्रिय हुआ। उन्होंने बरानी फसलों के सुधार में उल्लेखनीय योगदान दिया विशेषकर लम्बे रेशे वाले देशी कपास, अरहर, अरंडी तथा नयी फसल प्रणालियों में। उनके लगभग 200 अनुसंधान लेख प्रख्यात राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं।

वे संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन में सलाहकार, ज्वार वनस्पति विज्ञानी एवं सह समन्वयक, आई.ए.आर.आई., 1961-68; परियोजना समन्वयक (ज्वार), अखिल भारतीय समन्वित ज्वार सुधार परियोजना, आई.ए.आर.आई., नई दिल्ली, 1968-78; आई.सी.ए.आर प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस, 1978-80; प्रादेशिक केन्द्र, आई.ए.आर.आई., हैदराबाद; पश्चिमी अफ्रीका के लिए इक्रीसैट के प्रादेशिक ज्वार प्रजनक, अहमेडू बेल्लो विश्वविद्यालय, समारू, ज़रिया, नाईजीरिया, 1980-83; उपकुलपति, मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, परभनी, महाराष्ट्र, 1984-87; अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, भा.कृ.अनु.प., 1987-92 के रूप में कार्य किए।

परिशिष्ट–XII

दिनांक 31.03.2017 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

डा. गुरबचन सिंह	अध्यक्ष
डा. वी. एन. शारदा	सदस्य
प्रो. (डॉ.) ए.के. श्रीवास्तव	सदस्य
श्री जे. रवि	सचिव

अधिकारीगण	
श्री एस. पी. सनवाल	परीक्षा नियंत्रक
श्री राजीव मंगोत्रा	उपसचिव (भर्ती)
श्री के. एन. चौधरी	उपसचिव (परीक्षा)
डा. सुरेश पाल	मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्री पी.आर. राव	उपनिदेशक (राजभाषा)
श्री अजय गौतम	अवर सचिव
श्री मुकेश कुमार	प्रधान निजी सचिव
श्रीमती सीमा बम्मी	प्रधान निजी सचिव
श्रीमती तन्द्रा भट्टाचार्या	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी
श्री रवि के. डोबरियाल	अनुभाग अधिकारी
श्री ए. के. यादव	अनुभाग अधिकारी
श्रीमती रीटा घोशाल	अनुभाग अधिकारी
श्री उमेश गहलोत	अनुभाग अधिकारी
श्री संदीप चौधरी	अनुभाग अधिकारी
श्री दौलत राम	अनुभाग अधिकारी
श्री अनुराग अरोड़ा	अनुभाग अधिकारी
श्री आर. पी. यादव	सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी
श्री अनिल उपाध्याय	निजी सचिव
श्रीमती सीमा	निजी सचिव

कर्मचारी वर्ग	
श्री दिनेश कुमार मिश्रा	सहायक
श्री राजेन्द्र कुमार	सहायक
श्री मुकेश चन्द	सहायक
श्रीमती रविन्द्र कौर	सहायक
श्रीमती आशु बावेजा	सहायक
श्री सतीश पाल सिंह	सहायक
श्री जितेन्द्र कुमार	सहायक
श्री भरत लाल मीणा	सहायक
श्री विनोद कुमार	सहायक
श्री डी.एस. रावत	सहायक
श्री राजेश कुमार सरोया	सहायक
श्री रूआल मुअन थंग थोम्ते	सहायक
श्री सुख पाल सिंह	सहायक
श्रीमती ऊषा नायर	निजी सहायक
श्री रवि भूषण तिवारी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
श्री रोशन सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री साहिब सिंह डोगरा	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री नरेन्द्र सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री धीरज सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री महादेव पाल	उच्च श्रेणी लिपिक
श्री सुरेन्द्र कुमार	वाहन चालक
श्री दया राम शुक्ला	कुशल सहायक कर्मचारी
श्री सुरेश कुमार	कुशल सहायक कर्मचारी
श्री शिव प्रसाद	कुशल सहायक कर्मचारी

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत अभियान